संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 292
पृष्ठ 8
रविवार
12 जुलाई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- घर में ऐसे उगाएं जामुन का...

विचार- क्या अकाली दल बादल के लिए...

खेल- कुछ रैलियां कभी खत्म नहीं होतीं...

कुशीनगर में सीएम ने विपक्ष को घेरा, बोले

जो लोग सवाल करते हैं, वे सरकार में थे तब क्या किए

योगी ने पूछा- कौन रविकिशन की फिल्मों में काम करेगा

कुशीनगर (संवाददाता)। कुशीनगर पहुंचे सीएम योगी ने गोरखपुर सांसद रवि किशन की चुटकी ली। शनिवार सुबह करीब 11.30 वहां एक जनसभा में लोगों ने पूछा– रवि किशन की फिल्म कितने लोगों ने देखी है? उनके साथ फिल्म में काम कौन करना चाहता है? फिर मुस्कुराते हुए बोले– पहले आप लोग सांसद विजय दुबे के साथ काम करिए। फिर रवि किशन के साथ भी मौका मिलेगा।

विपक्ष पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा– आज जो लोग विकास को लेकर हमसे सवाल पूछते हैं, उनसे मैं पूछना चाहता हूं कि जब वे सरकार में थे, तब उन्होंने क्या किया? जो लोग खुद कुछ नहीं कर सके, वही आज आरोप लगा रहे हैं। 2017 से पहले प्रदेश में न नीयत थी और न ही स्पष्ट नीति, इसलिए विकास कार्य ठप पड़े रहे।

मुख्यमंत्री ने जिले की रामकोला, हाटा और कुशीनगर तहसीलों के लिए करीब 525 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। सीएम ने बुजुर्ग भाजपा कार्यकर्ता 110 वर्षीय रामविलास भगत और 104 वर्षीय रामप्रवेश साहनी को भी सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले दुर्गा पूजा, जन्माष्टमी और होली जैसे त्योहारों के आयोजन में भी बाधाएं खड़ी की जाती थीं। गरीबों की नौकरी और जमीन पर सपाई गुंडे कब्जा कर लेते थे, लेकिन डबल इंजन की सरकार गुंडागर्दी बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करती। अब यदि कोई पर्व–त्योहारों के दौरान माहौल बिगाड़ने या उपद्रव करने की कोशिश करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाती है। अब नो कर्फ्यू, नो दंगा, यूपी में अब सब चंगा।

योगी ने कहा कि ष्जब सरकारें खुद पॉलिसी पैरालिसिस का शिकार हों तो नीति कैसे बनेगी? 2017 से पहले प्रदेश में यही स्थिति थी। मंदिरों के जीर्णोद्धार का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आज हर विधानसभा क्षेत्र में मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। पहले मंदिरों के नाम पर मिलने वाले धन से कब्रिस्तानों की बाउंड्रीवाल बनाई जाती थी। लेकिन अब ऐसा नहीं होता।

योगी ने कहा कि कभी यही मौसम होता था, जब जापानी इंसेफ्लाइटिस से बड़ी संख्या में बच्चों की मौत हो जाती थी। उस समय की सरकारें संवेदनहीन थीं और बच्चों के इलाज के लिए पर्याप्त व्यवस्था तक नहीं करती थीं। आज हमने इंसेफ्लाइटिस को जड़ से समाप्त कर दिया है। जब मैं इन बच्चों के चेहरे पर मुस्कान देखता हूं तो लगता है कि जीवन सार्थक हुआ।

योगी ने कहा कि वर्षों तक गरीब और वंचित वर्ग के नाम पर राजनीति करने वालों ने मुसहर समाज को उसका अधिकार नहीं दिया। आज मुसहर समाज के चेहरे पर मुस्कान है और उन्हें यह एहसास हुआ है कि वे भी इस देश के सम्मानित नागरिक हैं। यह बदलाव डबल इंजन सरकार की योजनाओं से संभव हुआ है।

भारत-न्यूजीलैंड की रणनीतिक साझेदारी में सेतु का काम करें भारतीय समुदाय : मोदी

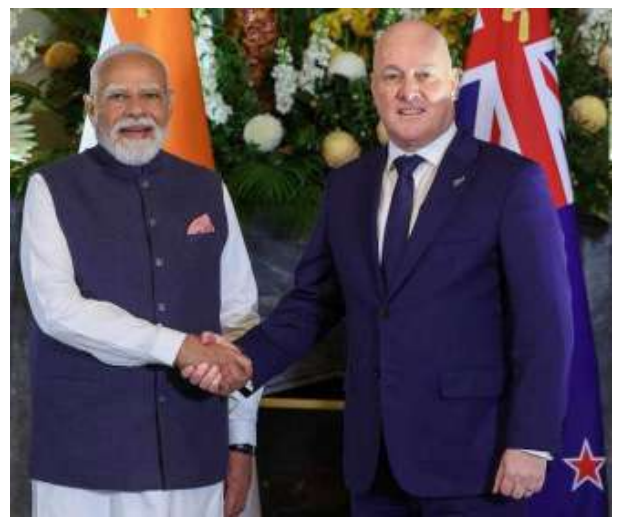

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न्यूजीलैंड में रहने वाले भारतीयों से दोनों देशों के बीच विश्वास का सेतु बने रहने का आग्रह करते हुए कहा है कि इससे दोनों देश रणनीतिक साझेदारी का पूरा फायदा उठा सकेंगे।

श्री मोदी ने अपनी न्यूजीलैंड यात्रा के समापन से पहले शनिवार शाम ऑकलैंड में आयोजित "किया ओरा मोदी" कार्यक्रम में भारतीय प्रवासी समुदाय की एक सभा को संबोधित किया। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। श्री मोदी ने सभा में भारतीय प्रवासी समुदाय के बड़ी संख्या में शामिल सदस्यों के उत्साह, ऊर्जा और आत्मीयता की सराहना की। प्रधानमंत्री ने संबोधन की शुरुआत प्रधानमंत्री लक्सन की उपस्थिति तथा द्विपक्षीय साझेदारी, विशेषकर कीवी भारतीय समुदाय के कल्याण के प्रति उनके समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए की। उन्होंने समुदाय द्वारा किये गये विशेष स्वागत की सराहना की और कहा कि दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत और निरंतर प्रयास के माध्यम से कीवी भारतीय समुदाय न्यूजीलैंड के जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए एक सशक्त शक्ति के रूप में उभरा है। प्रधानमंत्री ने अपनी संस्कृति, त्योहारों और परंपराओं को संरक्षित रखने तथा साथ ही न्यूजीलैंड की बहुसांस्कृतिक पहचान को समृद्ध बनाने के लिए समुदाय की प्रशंसा की।

मैं गांधी या नायक नहीं, अपने जीवन के नायक स्वयं बनें : सोनम वांगचुक

नयी दिल्ली, एजेंसी। नयी दिल्ली में परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में जंतर–मंतर पर चल रहे धरने के बीच, जाने–माने शिक्षाविद् और जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने देश के नागरिकों से एक बेहद महत्वपूर्ण अपील की है। वांगचुक ने लोगों से आग्रह किया है कि वे किसी और के

नेतृत्व का इंतजार करने के बजाय अपने जीवन के श्नायकश खुद बनें। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वह कोई श्आध्ुनिक गांधीश या नायक नहीं हैं, बल्कि सिर्फ एक सामान्य नागरिक हैं जो अपना कर्तव्य निभाने का प्रयास कर रहे हैं। जंतर–मंतर पर श्कॉकरोच जनता पार्टीश (कॉजपा) के बैनर तले परीक्षाओं में गड़बड़ियों के खिलाफ चल रहा प्रदर्शन शनिवार को 22वें दिन में प्रवेश कर गया। इस आंदोलन के समर्थन में बैठे सोनम वांगचुक की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का यह 14वां दिन था। संगठन द्वारा साझा की गई स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के अनुसार, भूख हड़ताल के कारण सोनम वांगचुक का वजन अब तक साढ़े सात किलोग्राम कम हो चुका है और उनका रक्तचाप 106ध्74 एमएम एचजी दर्ज किया गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर जारी एक वीडियो में सोनम वांगचुक ने आंदोलन को मिल रहे समर्थन के लिए लोगों का आभार जताया, लेकिन साथ ही दो तरह की टिप्पणियों पर अपनी निराशा और असहजता भी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कई लोग उन्हें 21वीं सदी का गांधी या नायक कहते हैं, लेकिन वह न तो गांधी हैं और न ही कोई नायक। वह सिर्फ एक सामान्य नागरिक हैं जो अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उन्होंने लोगों से कहा कि वे किसी और में नायक तलाशने के बजाय खुद अपनी नागरिक जिम्मेदारियां उठाएं। परीक्षा से जुड़ी अनियमितताओं के कारण परेशान छात्रों की खुदकुशी की घटनाओं का जिक्र करते हुए वांगचुक ने लोगों से मूकदर्शक न बने रहने की अपील की।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में प्रेस कांफ्रेंस कर स्थिति स्पष्ट करें मोदी : कांग्रेस

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने कहा है कि अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले के कारण करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था को गहरा आघात पहुंचा है इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को प्रेस कांफ्रेंस कर इस मामले में देश के सामने स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। कांग्रेस के

वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी, दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव तथा प्रदेश कांग्रेस महासचिव अनिल भारद्वाज ने शनिवार को यहां दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि मामले में निष्पक्ष कार्रवाई के बजाय लीपापोती की जा रही है। उनका कहना था कि सामान्यतः ऐसे मामलों में प्राथमिकी दर्ज होती है लेकिन यहां सीधे एसआईटी का गठन किया गया है। एसआईटी गठित होने से पहले ट्रस्ट के प्रमुख पदाधिकारियों के खिलाफ न तो प्राथमिकी दर्ज की गई और न ही उन्हें जांच के दायरे में लाया गया जबकि कार्रवाई केवल निचले स्तर के लोगों तक सीमित रखी गई है। पार्टी नेताओं ने राम मंदिर ट्रस्ट पर अनाप शनाप खर्च करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि मनमाने तरीके से छोटे छोटे कार्यक्रमों पर पैसा खर्च किया जाता है।

जेपी ने चंबल में 250 से अधिक डाकुओं का सरेंडर कराया, 22 जिलों में खत्म की डकैती : अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को नई दिल्ली में जयप्रकाश नारायण सार्वजनिक पुस्तकालय का लोकार्पण किया। अमित शाह ने कहा कि जयप्रकाश नारायण (जेपी) एक ऐसे विचारक और क्रांतिकारी थे, जिन्होंने जीवन में अनेक विचारधाराओं को अपनाया और हर क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने का प्रयास किया। वे भारत छोड़ो आंदोलन के प्रमुख सेनानी थे। आजादी के बाद उन्होंने सरकार में शामिल होने से इनकार कर दिया। समाजवाद अपनाया, समाजवादी कांग्रेस बनाई, विनोबा भावे के भूदान आंदोलन और सर्वोदय विचारधारा को गांव–गांव तक फैलाया। चंबल क्षेत्र में 250 से अधिक डाकुओं को सरेंडर कराया और चार राज्यों के 22 जिलों में डकैती की समस्या समाप्त की।

गृह मंत्री ने कहा, इमरजेंसी के समय जेपी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री का डटकर विरोध किया, बिहार–गुजरात में छात्र आंदोलनों का नेतृत्व किया और 'संपूर्ण क्रांति' का आह्वान दिया। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान जेपी, अटल बिहारी वाजपेयी, एलके अडवाणी सहित हजारों नेताओं को जेल में डाला गया। तब दिनकर जी का नारा "अंधेरे में एक प्रकाश, जयप्रकाश" पूरे देश में गूंजा। 1977 के चुनाव में तत्कालीन प्रधानमंत्री रायबरेली से हारीं और पहली बार गैर–कांग्रेसी सरकार बनी। उन्होंने कहा कि जेपी ने पूरी जिंदगी लोकतंत्र की रक्षा की।

किसी देश का भविष्य कृषि, बाजार या उद्योग से नहीं, बल्कि उसके पुस्तकालयों में जुटने वाली युवाओं की भीड़ से तय होता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र को आगे बढ़ाने वाली, राष्ट्र–निर्माण और राष्ट्र को वैभव दिलाने वाली सारी गतिविधियों का मूल ज्ञान एवं विवेक में होता है। यह ज्ञान सिर्फ एक पुस्तकालय ही दे सकता है। उन्होंने युवा पीढ़ी से अपील करते हुए कहा, कि वे एक बार पुस्तकालय से अवश्य जुड़ें। पढ़ने की आदत बनते ही अच्छे–बुरे का विवेक स्वयं जाग जाएगा। गृह मंत्री ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि जिस छोटे से कस्बे में वह पैदा हुए और उनका बचपन बीता, वहाँ एक समृद्ध पुस्तकालय था। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय के माध्यम से कब उनकी अध्ययन यात्रा वेदों और उपनिषदों तक पहुंच गई, उन्हें पता नहीं चला।

शाह ने कहा कि सभागार में उन्होंने एक वाक्य लिखा देखा कि "बोलने से पहले सोचना चाहिए, क्योंकि शब्द कभी वापस नहीं आते।" उन्होंने कहा कि कोई भी वाक्य बोलने से पहले सोचना चाहिए और सोचने से पहले पढ़ना चाहिए कि क्या सोचना है, और यह संस्कार सिर्फ पुस्तकालय से ही मिल सकता है। पुस्तकालय का उनके जीवन में बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि अपने संसदीय क्षेत्र में उन्होंने एक छोटा सा प्रयोग किया है। उनके संसदीय क्षेत्र के लगभग हर गाँव में एक पुस्तकालय खोला गया है, जिनमें लगभग 3–4 हजार पुस्तकें हैं। इन पुस्तकालयों को मुख्य पुस्तकालय से लिंक किया गया है, जिसमें सवा लाख पुस्तकें हैं। इसके अलावा, चार मोबाइल वैन भी चलाई गई हैं। गांवों के बच्चे पुस्तकालय में अपनी पसंद की पुस्तक का नाम लिख कर उसे मँगवाने का अनुरोध करते हैं। हर शुक्रवार के दिन बच्चों को उनकी पसंद की पुस्तक गांव में ही उपलब्ध कर दी जाती है। उन्होंने कहा कि हमने हर पुस्तकालय को स्कूलों से जोड़ने का प्रयास किया है।

राजनाथ सिंह का युवाओं से आह्वान

आत्मनिर्भर भारत के लिए इससे बेहतर समय नहीं

नयी दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को इंजीनियरिंग, इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप और इन्वेस्टमेंट के क्षेत्रों से जुड़े युवाओं से देश के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उन्हें न केवल अपना भविष्य, बल्कि भारत का भविष्य बनाने का लक्ष्य रखना चाहिए। विशाखापत्तनम नेवल डॉकयार्ड में श्छै महेंद्रगिरिश के कमीशनिंग समारोह में बोलते हुए, रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि डिफेंस सेक्टर में घरेलू टैलेंट के फलने–फूलने के लिए इससे बेहतर समय कभी नहीं रहा है। सिंह ने कहा कि मैं खास तौर पर देश के युवाओं से यह कहना चाहता हूँ। अगर आप इंजीनियर, इनोवेटर, एंटरप्रेन्योर, रिसर्चर या इन्वेस्टर हैं, तो शायद आज से बेहतर मौका कभी नहीं रहा। आइए, न सिर्फ अपना बल्कि भारत का भविष्य भी बनाएँ। आइए, ऐसे जहाज बनाएँ जो हमारे समुद्रों की रक्षा करें। आइए, ऐसी टेक्नोलॉजी विकसित करें जो भविष्य की लड़ाइयों की दिशा तय करें। और आइए, ऐसे सिस्टम तैयार करें जो भारत को आत्मनिर्भर बनाएँ। मंत्री ने इस क्षेत्र के लिए एक दूरदर्शी सोच भी साझा की और आंध्र प्रदेश के कुरनूल की क्षमता की तुलना भारत के सबसे मशहूर औद्योगिक शहरों से की। उन्होंने कहा कि मैंने पहले भी आठ ड्रोन कंपनियों के एक समूह के बारे में बात की थी जो कुरनूल में श्ड्रोन सिटीश बना रहे हैं। जैसे सूरत को श्डायमंड सिटीश और बेंगलुरु को देश की श्सिलिकॉन वैलीश के तौर पर जाना जाता है, मुझे भरोसा है कि एक दिन यह इलाका देश के श्ड्रोन हबश के तौर पर पहचाना जाएगा। राजनाथ सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि भारत का डिफेंस इकोसिस्टम अब कहीं ज़्यादा खुला और सक्षम हो गया है, और यह देश को मजबूत बनाने के राष्ट्रीय मिशन में शामिल होने के लिए टैलेंट को आमंत्रित कर रहा है।

जुलाई माह का सावित्री देवी स्मृति सम्मान शहर समता महिला काव्यगोष्ठी प्रयागराज इकाई की सदस्या आदरणीया शशि जायसवाल जी को दिया जाएगा

डॉ०(कु०)शशि जायसवाल, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

प्रयागराज। हर माह मिलने वाला सावित्री देवी स्मृति सम्मान जुलाई 2026 का शहर समता महिला काव्यगोष्ठी प्रयागराज इकाई से आदरणीया शशि जायसवाल जी को दिया जाएगा। रचनाकार शशि जायसवाल जी पर चार पेज का सावित्री देवी स्मृति सम्मान विशेषांक भी प्रकाशित होगा, जिसमें रचनाकार को 30–35 कविताएं, कहानी, अपना जीवनवृत्त और अपना आत्मसंघर्ष टाइप करके देना पड़ेगा। साथ में एक पोस्ट कार्ड साइज की फोटो भी।

ब्रिक्स देशों को भविष्य के अनुकूल परिवहन व्यवस्था के लिए मिलकर करना होगा काम : गडकरी

नयी दिल्ली, एजेंसी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ब्रिक्स समूह में टिकाऊ, सुरक्षित, समावेशी और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप परिवहन व्यवस्था विकसित करने के लिए परस्पर सहयोग बढ़ाने की जरूरत पर बल देते हुए सभी देशों से मिलकर काम करने का आह्वान किया है।

श्री गडकरी ने नागपुर ब्रिक्स देशों के परिवहन मंत्रियों की तीसरी बैठक का उद्घाटन करते हुए शनिवार को कहा कि बैठक में विचार के लिए परिवहन व्यवस्था का जो एजेंडा तैयार किया है ,वह महत्वपूर्ण है क्योंकि बदलती अर्थव्यवस्थाओं के लिए परिवहन भविष्य की सबसे बड़ी चुनौती है और इस चुनौती पर समूह के सभी देशों का मिलकर ध्यान देना आवश्यक हो गया है। उन्होंने कहा कि उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच परिवहन क्षेत्र में सहयोग से काम करने की जरूरत है क्योंकि ब्रिक्स देशों में अर्थव्यवस्थाएं तेजी से बदल रही हैं और बदलती अर्थव्यवस्थाओं के बीच इस समूह में नवाचार, साझेदारी और साझा जिम्मेदारी के जरिए पूरी वैश्विक परिवहन व्यवस्था की दिशा तय करने की क्षमता है। नागपुर में भारत की अध्यक्षता में आयोजित तीसरी ब्रिक्स परिवहन मंत्रियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री गडकरी ने कहा कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता का विषय शबिल्डिंग फॉर रेजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटीश है, जो श्वसुधैव कुटुम्बकम्श की भावना और श्मानवीयता प्रथमष दृष्टिकोण से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि विश्व की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाले ब्रिक्स देश स्वच्छ, सुरक्षित, स्मार्ट और दक्ष परिवहन प्रणाली विकसित करने में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क विकसित किया है तथा एक्सेस–कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे और मल्टीमॉडल संपर्क का तेजी से विस्तार किया है। दिल्ली–देहरादून आर्थिक गलियारा, सोनमर्ग सुरंग और 10 हजार किलोमीटर से अधिक ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे जैसी परियोजनाएं आधुनिक अवसंरचना, पर्यावरण संरक्षण और तकनीकी नवाचार के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का उदाहरण हैं। रेलवे, समुद्री और विमानन क्षेत्रों में भी व्यापक आधुनिकीकरण हुआ है।

विदेश यात्रा करना नागरिक का मौलिक अधिकार, ट्रायल कोर्ट का आदेश रद्द

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि विदेश यात्रा करना हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। बिना किसी ठोस विधिक अड़चन के उसे विदेश यात्रा से रोका नहीं जा सकता।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि विदेश यात्रा करना हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। बिना किसी ठोस विधिक अड़चन के उसे विदेश यात्रा से रोका नहीं जा सकता। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह की एकल पीठ ने महराजगंज निवासी वजीर आलम के खिलाफ पारित ट्रायल कोर्ट

के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें कोर्ट ने आपराधिक मुकदमा लंबित होने के आधार पर विदेश यात्रा करने की अनुमति देने से इन्कार कर दिया था। दरअसल, वजीर के खिलाफ वर्ष 2021 में मारपीट और जानलेवा हमले के आरोप में कोतवाली में केस दर्ज हुआ था। इसका ट्रायल लंबित है। इसी दौरान उसने कोर्ट से रोजगार के लिए विदेश जाने की अनुमति मांगते हुए अर्जी दाखिल की। इसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। इस पर याची ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। वकील ने दलील दी कि याची गरीब व्यक्ति है। दो बच्चों और बुजुर्ग माता–पिता की जिम्मेदारी है। नौकरी के लिए विदेश जाना चाहता है। इस दौरान उसके मुकदमे की पैरवी उसके परिवार के सह–आरोपी सदस्य करेंगे। जब इसका हाजिर होना अति आवश्यक होगा तो वह हाजिर हो जाएगा। कोर्ट ने पाया कि ट्रायल कोर्ट ने एनओसी अस्वीकार करने के लिए कोई ठोस कारण दर्ज नहीं किया। 25 अगस्त 1993 की केंद्र सरकार की अधिसूचना पर भी विचार नहीं किया। कोर्ट ने यह भी पाया कि याची पहले किसी अपराध में दोषी नहीं ठहराया गया है। लंबित मामले में अधिकतम सजा सात साल से कम है। अपराध जघन्य श्रेणी में नहीं आता है। लिहाजा, कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट को 15 दिन के भीतर याची की अर्जी पर नए सिरे से फैसला लेने का आदेश दिया है।

एलटी ग्रेड मुख्य परीक्षा देंगे 10 अभ्यर्थी, हाईकोर्ट ने दी अनंतिम अनुमति

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी लोक सेवा आयोग की एलडी ग्रेड–2025 की मुख्य परीक्षा में शामिल होने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए 10 अभ्यर्थियों को राहत दी है। साथ ही उन्हें 11 जुलाई को होने वाली मुख्य परीक्षा में बैठने की अनंतिम अनुमति प्रदान की है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की एकलपीठ ने प्रयागराज निवासी अतुल कुमार व नौ अन्य की याचिका पर दिया है। याचियों के अधिवक्ता ने दलील दी कि उनका मामला आशुतोष मिश्रा व 176 अन्य में नौ जुलाई–2026 को पारित आदेश के समान है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से उपस्थित अधिवक्ता ने भी इस तथ्य पर कोई आपत्ति नहीं जताई। कोर्ट ने याचिका को पहले से लंबित समान प्रकृति की याचिकाओं के साथ संबद्ध करने का आदेश दिया। साथ ही प्रतिवादी पक्ष को जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए चार सप्ताह और याचियों को प्रत्युत्तर हलफनामा दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया। कोर्ट ने याचियों को 11 जुलाई को आयोजित एलटी ग्रेड की लिखित (मुख्य) परीक्षा में अनंतिम रूप से बैठने का आदेश दिया। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि याचियों का परीक्षा परिणाम इस रिट याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा। समय की कमी को देखते हुए कोर्ट ने कहा कि आयोग को आदेश की प्रमाणित प्रति की आवश्यकता नहीं होगी। आयोग हाईकोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट से आदेश की प्रामाणिकता सत्यापित कर सकता है।

यूपी लोक सेवा आयोग की भर्ती के सामाजिक विज्ञान विषय में इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान और अर्थशास्त्र में से किसी दो विषय में निर्धारित शैक्षिक योग्यता होने की शर्त रखी थी। प्रारंभिक परीक्षा में उत्तीर्ण 10 अभ्यर्थियों की ओर से आयोग को राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की ओर से जारी दूसरे विषय के एकल दस्तावेज प्रस्तुत किए गए थे। इसके बाद आयोग ने विज्ञापन में दर्शायी गई शर्तों के अनुरूप न होने पर अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा में बैठने से वंचित कर दिया था। इसके बाद अभ्यर्थियों ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

परिणाम में अव्वल... निर्माण में फिसड्डी

प्रयागराज। कोरांव के बेलहट स्थित अटल आवासीय विद्यालय का 10वीं का परिणाम शत–प्रतिशत रहा। विद्यालय परिणाम देने के मामले में प्रदेश में अव्वल रहा लेकिन मूलभूत सुविधाओं और निर्माण कार्य के मामले में फिसड्डी है। शुक्रवार को मंडल स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक में मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने काम में लापरवाही और निर्माण में देरी पर संबंधित अफसरों को जमकर फटकारा। गांधी सभागार में हुई बैठक में बताया गया कि शैक्षणिक सत्र 2025–26 में विद्यालय का परीक्षा परिणाम 100 फीसदी रहा। इस उपलब्धि पर मंडलायुक्त ने प्रधानाचार्य, शिक्षकों और कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने 10वीं में 96.6 प्रतिशत अंक पाने वाले हर्षित और 92.2 प्रतिशत अंक पाने वाली मोनिका को सम्मानित किया।

मंडलायुक्त ने कहा कि केवल परीक्षा परिणाम ही नहीं बल्कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास भी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने बच्चों को पब्लिक स्पीकिंग, डिबेट और अन्य सह–पाठ्यक्रम गतिविधियों में भाग लेने, इंजीनियरिंग व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निशुल्क कोचिंग और कमजोर विद्यार्थियों के लिए ब्रिज कोर्स शुरू कराने के निर्देश दिए। सुरक्षा और स्वच्छता से जुड़े निर्माण कार्य शुरू न होने पर मंडलायुक्त ने कार्यदायी संस्था यूपीसीडको के रवैये पर नाराजगी जताई। 10 दिनों में टेंडर प्रक्रिया पूरी कर निर्माण शुरू करने के निर्देश दिए। नगर पंचायत कोरांव को सफाई, विद्युत व्यवस्था, विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त खेल मैदान उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में सीडीओ हर्षिका सिंह, उप श्रमायुक्त सुमित कुमार, विद्यालय के प्रधानाचार्य गोपाल मिश्र मौजूद रहे।

यमुना में उतराया मिला मोटर मैकेनिक का शव, आधा शरीर नोचकर खा चुके थे कुत्ते

प्रयागराज। तीन दिन से लापता चल रहे मोटर मैकेनिक का शव नए पुल के नीचे यमुना नदी में उतराया देखा गया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया। तीन दिन से लापता चल रहे मोटर मैकेनिक का शव नए पुल के नीचे यमुना नदी में उतराया देखा गया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया। शव का आधा से ज्यादा हिस्सा कुत्ते नोचकर खा गए थे। मैकेनिक को आठ जुलाई को पुल के नीचे देखा गया था।

प्रयागराज में तेजी से बढ़ रहा है गंगा और यमुना का जलस्तर, प्रशासन ने एनडीआरएफ टीम को किया अलर्ट

प्रयागराज। लगातार सक्रिय मानसून और ऊपरी क्षेत्रों में हो रही बारिश का असर अब प्रयागराज में गंगा–यमुना के जलस्तर पर साफ दिखने लगा है। दोनों नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। हालांकि अभी नदियां खतरे के निशान से नीचे हैं, लेकिन जिस रफ्तार से पानी बढ़ रहा है, उसे देखते हुए जिला प्रशासन ने एसडीआरएफ और एनडीआरएफ को अलर्ट कर बाढ़ राहत तैयारियां तेज कर दी हैं।

मानसून के सक्रिय होने के बाद गंगा और यमुना के जलस्तर में तेजी से वृद्धि देखी जा रही है। इसके चलते घाट के किनारे रहने वालों की मुश्किलें बढ़ने लगी हैं। जिला प्रशासन ने भी एसडीआरएफ और एनडीआरएफ टीम को अलर्ट कर दिया है। साथ ही बाढ़ राहत की तैयारी तेज कर दी है। नैनी में यमुना में डेढ़ फीट तक जलस्तर में वृद्धि दर्ज की गई है। इसी तरह फाफामऊ में गंगा में एक फीट पानी बढ़ गया है, जबकि छतनाग में गंगा के जलस्तर में 22 इंच की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है।

सक्रिय मानसून के बाद गंगा और यमुना के जलस्तर में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। इससे नदी किनारे बसे इलाकों और घाटों पर रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है। जिला प्रशासन ने संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों को अलर्ट मोड पर रखा है। साथ ही बाढ़ चौकियों को सक्रिय करने, राहत सामग्री उपलब्ध कराने और संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

सिंचाई विभाग के अनुसार नैनी में यमुना का जलस्तर करीब डेढ़ फीट बढ़ा है। वहीं फाफामऊ में गंगा का जलस्तर एक फीट ऊपर पहुंच गया है। छतनाग में गंगा के जलस्तर में 22 इंच की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि पर प्रशासन और सिंचाई विभाग की टीमें नजर बनाए हुए हैं।

अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल गंगा और यमुना दोनों नदियां खतरे के निशान से नीचे बह रही हैं, लेकिन यदि पहाड़ी और ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में बारिश का क्रम जारी रहा तो अगले कुछ दिनों में जलस्तर में और तेजी से बढ़ोतरी हो सकती है। इसी संभावना को देखते हुए राहत एवं बचाव व्यवस्था को पहले से दुरुस्त किया जा रहा है।

घाटों पर भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को प्रशासन की ओर से सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है। नाव संचालन और स्नान के दौरान विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस, राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग की संयुक्त टीमें संवेदनशील क्षेत्रों का लगातार निरीक्षण कर रही हैं।

पेट्रोल में 15 प्रतिशत एथेनॉल ही गाड़ियों के लिए उपयुक्त, एमएनएनआईटी के शोध में मिली जानकारी

प्रयागराज। देशभर में ई–20 पेट्रोल को बढ़ावा दिया जा रहा है। वहीं, मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के शोध में पेट्रोल में 15 प्रतिशत एथेनॉल ही गाड़ियों के लिए उपयुक्त माना गया है।

देशभर में ई–20 पेट्रोल को बढ़ावा दिया जा रहा है। वहीं, मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के शोध में पेट्रोल में 15 प्रतिशत एथेनॉल ही गाड़ियों के लिए उपयुक्त माना गया है। वर्ष 2021 में ही एमएनएनआईटी की शोधकर्ता डॉ. गरिमा कुशवाहा के शोध में यह पाया गया था कि गाड़ियों में ई–20 ईंधन का इस्तेमाल करने पर स्पार्क प्लग और इंजन ऑयल में बदलाव करने की जरूरत पड़ेगी। शोध को प्रसिद्ध संस्था एसएई इंटरनेशनल ने प्रकाशित किया है।

25 प्रतिशत तक इथेनॉल मिश्रण पर हुआ शोध

डॉ. गरिमा कुशवाहा ने प्रो. समीर सरस्वती और डॉ. बिरेश्वर पॉल के निर्देशन में स्पार्क इग्निशन (एसआई) इंजन में गैसोलीन–इथेनॉल मिश्रण और लुब्रिकेंट के प्रभाव के बारे में शोध किया। शोध में 25 प्रतिशत तक एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का परीक्षण किया गया। इसमें पाया गया कि 15 प्रतिशत तक एथेनॉल मिश्रण इंजन के प्रदर्शन पर कोई महत्वपूर्ण नकारात्मक प्रभाव नहीं डालता।

ई–15 से अधिक पर इंजन ऑयल की गुणवत्ता को कर सकता है प्रभावित

शोध में यह भी सामने आया कि 15 प्रतिशत से अधिक एथेनॉल मिश्रण स्पार्क प्लग पर बनने वाले डिपॉजिट, दहन प्रक्रिया, इग्निशन दक्षता और इंजन ऑयल की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकता है। अधिक एथेनॉल के कारण स्पार्क प्लग को अधिक इग्निशन ऊर्जा की आवश्यकता पड़ सकती है।

पति-पत्नी अपनी लड़ाई में बच्चों को मोहरा न बनाएं, उनके बचपन के साथ क्रूर खिलवाड़

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि मम्मी–पापा की लड़ाई में बच्चों को मोहरा नहीं बनाया जा सकता। यह उनके बचपन के साथ क्रूर खिलवाड़ है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि मम्मी–पापा की लड़ाई में बच्चों को मोहरा नहीं बनाया जा सकता। यह उनके बचपन के साथ क्रूर खिलवाड़ है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति संदीप जैन की अदालत ने डॉक्टर पिता की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर उस वक्त की, जब मां के साथ रह रही पांच साल की बेटी अदालत में पेश हुई। अदातल से बातचीत में उसने कहा पापा गंदे है। यौन उत्पीड़न करते है। मम्मी को भी मारते है। इनके साथ नहीं रहना चाहती।

यह सुन हैरान कोर्ट ने माना कि बेटी का यह बयान और उसे पेश करने का तरीका उसकी उम्र और समझ से कहीं आगे हैं। मां ने उसे मोहरे की तरह इस्तेमाल किया। उसे ऐसी बातें सिखाई गई हैं, जो उसके मानसिक विकास और भविष्य के लिए बेहद खतरनाक है। लिहाजा, कोर्ट ने कहा कि बेटी मां संग नहीं रह सकती। बेटी पिता के साथ ही रहेगी। मां उससे मिलने पिता के घर जा सकती है। वीडियो कॉल पर बातचीत कर सकती है। 17 अगस्त को होने वाली अगली सुनवाई पर पिता को बच्ची संग अदालत में पेश होना होगा।

पिता की दलील

पिता के वकील ने दलील दी कि पहले कोर्ट ने पिता को वीडियो कॉल पर बातचीत करने का अधिकार दिया था। जबकि, मां बेटी को पिता से बात नहीं करने देती। बच्ची को उनके खिलाफ भड़काती हैं। उसे ऐसी आपत्तिजनक बातें सिखाई जा रही है, जो, उसके मानसिक और शारीरिक कल्याण के लिए ठीक नहीं है। अगर बच्ची मां के साथ रहती है तो वह निश्चित रूप से बिगड़ जाएगी। उसका भविष्य अंधकारमय हो जाएगा।

मां की दलील

मां के पेश अधिवक्ता ने दलील दी कि पति–पत्नी के बीच गंभीर वैवाहिक विवाद हैं। वे किसी भी हाल में साथ नहीं रह सकते। पति की ओर से पत्नी पर लगाए गए सभी आरोप निराधार और झूठे हैं। बच्ची की कम उम्र को देखते हुए उसे मां के पास ही रहने देना चाहिए।

पांच साल की बच्ची का मानसिक और शारीरिक कल्याण सर्वोपरि है। यदि वह लगातार नकारात्मक बातें सुनती रही तो इसका उसके भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। – हाईकोर्ट

तीन दिन से लापता युवक की लाश कुएं में मिली, पुलिस ने नहीं दर्ज की थी गुमशुदगी

प्रयागराज। नवाबगंज थाने के आनापुर चौकी अंतर्गत भवानीपुर गांव के समीप शनिवार सुबह एक युवक की लाश कुएं में देखी गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई। नवाबगंज थाने के आनापुर चौकी अंतर्गत भवानीपुर गांव के समीप शनिवार सुबह एक युवक की लाश कुएं में देखी गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई। यह लाश क्षेत्र के पारसपुर भगदेवरा निवासी सूरज कुमार (40) की बताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि कुएं में पानी भरा जा रहा है। लाश उतराने के बाद बाहर निकाला जाएगा। इसके बाद ही शव की शिनाख्त हो सकेगी। फिलहाल परिजनों ने कोहराम मचा हुआ है। नवाबगंज थाना क्षेत्र के पारसपुर भगदेवरा गांव निवासी सूरज कुमार (40) प्रयागराज शहर में कोई काम धंधा करते थे। रोज वह घर से प्रयागराज आते थे और शाम को लौटते थे। 29 जून को वह शहर के लिए निकले लेकिन शाम तक घर नहीं आए। उनकी पत्नी सोनाली देवी तबीयत खराब होने के कारण मायके में थीं। पति के लापता होने की सूचना पर उन्होंने थाने पहुंचकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करने के लिए प्रार्थना पत्र दियाा। सोनाली का आरोप है कि कई बार चक्कर लगाने के बाद भी पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट नहीं दर्ज की। जिससे परिजन किसी अनहोनी की आशंका से परेशान होकर सूरज की खोजबीन हर संभावित स्थान पर करने में जुटे थे।

हादसे में बाइक सवार महिला शिक्षामित्र की मौत, पति गंभीर रूप से घायल

प्रयागराज। हंडिया थाना क्षेत्र के बगहां गांव के सामने वाराणसी–प्रयागराज हाईवे पर ट्रक की टक्कर से बाइक सवार महिला शिक्षामित्र की मौके पर ही मौत हो गई। उनके पति गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हंडिया थाना क्षेत्र के बगहां गांव के सामने वाराणसी–प्रयागराज हाईवे पर ट्रक की टक्कर से बाइक सवार महिला शिक्षामित्र की मौके पर ही मौत हो गई। उनके पति गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हादसा शनिवार को सुबह सात बजे हुआ। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई। घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने चालक समेत ट्रक को हिरासत में ले लिया है। वाराणसी के मिर्जामुराद थाना क्षेत्र के बेनीपुर गांव निवासी रीता देवी (42) गांव के ही प्राथमिक विद्यालय में बतौर शिक्षामित्र तैनात थीं। शनिवार को तड़के वह पति अरविंद पटेल के साथ बाइक से शिक्षा निदेशालय प्रयागराज के लिए निकली थीं। सुबह करीब सात बजे हाईवे पर हंडिया के बगहां के सामने पहुंचने पर वाराणसी की ओर से आ रहे ट्रक ने उनकी बाइक में पीछे से टक्कर मार दी।

इसके बाद अनियंत्रित होकर दंपती सड़क पर गिर गए। ट्रक रीता देवी को कुचलते हुए आगे बढ़ गया। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बाइक चला रहे अरविंद गंभीर रूप से चोटिल हो गए। घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गई। सूचना पाकर पुलिस पहुंच गई। घायल अरविंद को तत्काल अस्पताल भेजवाया गया। पुलिस ने झारखंड निवासी चालक संजय यादव को ट्रक समेत हिरासत में ले लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। रीता को एक बेटी प्रगति (18) और बेटा आदित्य (15) है।

पुरानी नियमावली से शिक्षक भर्ती की मांग को लेकर आंदोलन फिर होगा शुरू

प्रयागराज। नई नियमावली से शिक्षक भर्ती कराने का विरोध प्रदर्शन 13 जुलाई से फिर शुरू होने जा रहा है। युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह ने कहा कि पुरानी नियमावली के तहत शिक्षक भर्ती की मांग को लेकर इस बार चरणबद्ध तरीके से आंदोलन किया जाएगा। नई नियमावली से शिक्षक भर्ती कराने का विरोध प्रदर्शन 13 जुलाई से फिर शुरू होने जा रहा है। युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह ने कहा कि पुरानी नियमावली के तहत शिक्षक भर्ती की मांग को लेकर इस बार चरणबद्ध तरीके से आंदोलन किया जाएगा। अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में नई नियमावली लागू किए जाने की तैयारी है। इसके विरोध में प्रशिक्षित स्नातक और प्रवक्ता के लगभग 20,000 रिक्त पदों पर पुरानी नियमावली के आधार पर भर्ती प्रक्रिया प्रारम्भ कराने की मांग को लेकर 13 जुलाई 2026 से प्रयागराज के पत्थर गिरजाघर, सिविल लाइंस स्थित धरना स्थल पर चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की है। युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के प्रयागराज आगमन के दौरान इस मुद्दे को लेकर अपनी बात रखने पहुंचे अनेक अभ्यर्थियों को पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया, किन्तु उसके बाद भी सरकार की ओर से कोई ठोस घोषणा नहीं की गई। इससे प्रदेश के लाखों युवा स्वयं को निराश एवं उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 11 जून से अभ्यर्थियों द्वारा लगातार लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण आंदोलन किया जा रहा है। शासन–प्रशासन के माध्यम से सरकार तक अपनी मांग पहुंचाई गई तथा प्रदेश के अनेक सांसदों, विधायकों एवं मंत्रियों को भी ज्ञापन एवं पत्र भेजे गए, लेकिन अभी तक कोई निर्णायक निर्णय नहीं लिया गया। ऐसी स्थिति में आन्दोलन करना युवाओं की मजबूरी बन गया है। अनिल सिंह ने कहा कि यदि 16 सितंबर को जारी गजट के प्रावधानों को वर्तमान भर्ती प्रक्रिया पर लागू किया गया तो अनुमानतः 5 से 7 लाख अभ्यर्थी आवेदन करने के अवसर से वंचित हो सकते हैं। इससे बड़ी संख्या में युवाओं के रोजगार के अवसर प्रभावित होंगे तथा उनके संवैधानिक अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। युवा मंच की प्रमुख मांग है कि अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में प्रशिक्षित स्नातक के लगभग 16,000 तथा प्रवक्ता के लगभग 3,500 रिक्त पदों पर पुरानी नियमावली के आधार पर शीघ्र विज्ञापन जारी किया जाए। साथ ही प्राविधिक कला, हिन्दी, अंग्रेजी, संगीत, शारीरिक शिक्षा एवं प्रवक्ता पदों पर नान बीएड अभ्यर्थियों के हितों की रक्षा सुनिश्चित की जाए तथा कम्प्यूटर शिक्षकों की भर्ती भी शीघ्र शुरू की जाए।

हत्या में मिली उम्रकैद से पांच बरी, सजा का आदेश रद

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने चित्रकूट के हत्या के एक मामले में सबल सिंह, मान सिंह, मंगल सिंह, लल्लू कहार और सुमेर सिंह को मिली उम्रकैद से बरी कर दिया है। यह फैसला न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने सभी की ओर से दाखिल अपील स्वीकार करते हुए सुनाया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने चित्रकूट के हत्या के एक मामले में सबल सिंह, मान सिंह, मंगल सिंह, लल्लू कहार और सुमेर सिंह को मिली उम्रकैद से बरी कर दिया है। यह फैसला न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने सभी की ओर से दाखिल अपील स्वीकार करते हुए सुनाया है। मामला चित्रकूट के पहाड़ी थाना क्षेत्र का है। सात फरवरी 2012 की रात वीर सिंह की लाठी–डंडों से पीट–पीटकर हत्या कर दी गई थी। शिकायतकर्ता ने अगली सुबह मुकदमा दर्ज कराया। सत्र न्यायालय ने 10 दिसंबर 2020 को सबल सिंह, मान सिंह, मंगल सिंह, लल्लू कहार और सुमेर सिंह को हत्या का दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ सभी ने हाईकोर्ट में अपील दाखिल की थी। कोर्ट ने पाया कि ट्रायल कोर्ट ने केवल गवाहों के मुख्य परीक्षण पर भरोसा किया। जिरह में सामने आए विरोधाभासों को नजरअंदाज कर दिया। लिहाजा, अभियोजन संदेह से परे मामला साबित करने में पूरी तरह विफल रहा है। कहानी सोच–विचार और बाद में गढ़ी गई थी।

दफ्तर खुला... शौचालय में ताला

प्रयागराज। शिक्षा निदेशालय...यहां अपर शिक्षा निदेशक स्तर से लेकर उप सचिव तक 20 से अधिक अफसर, 300 से ज्यादा कर्मचारी प्रदेश भर के शिक्षकों की समस्याओं का निराकरण करते हैं लेकिन वह अपनी समस्या का समाधान नहीं करा पा रहे हैं। समस्या है शौचालय की। निदेशालय के दो शौचालयों में से एक में ताला जड़ा है तो दूसरे की हालत खस्ताहाल है। इस वजह से कर्मचारियों– यहां आने वाले शिक्षकों को परेशान होना पड़ता है। शिक्षा निदेशालय में बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, राजकीय शिक्षा और उच्च शिक्षा के दफ्तर खुले हैं लेकिन शौचालय ताले में बंद। यह प्रदेश भर से आने वाले शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारी और पेंशनभोगियों के साथ छोटे अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए शौचालय की व्यवस्था नहीं है। उन्हें मजबूरन सुलभ शौचालयों का इस्तेमाल करना पड़ता है। बजट आया फिर भी शौचालय जर्जरनिदेशालय के दोनों शौचालयों की स्थिति सुधारने के लिए महाकुंभ में पांच लाख का बजट आया था। कई कर्मचारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि महाकुंभ के दौरान मरम्मत के लिए बजट आया था।

लखनऊ में 3 दिन में 59 मिमी हुई बरसात

गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चलेंगी, मानसून सीजन में अब तक 50% कम बारिश

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में बीते 3 दिन (8, 9, 10 जुलाई) में कुल 59 मिमी बरसात हुई है। शुक्रवार को रातभर झमाझम बारिश हुई, लेकिन आज शनिवार को सुबह मौसम लगभग साफ है। आज फिर से गरज–चमक के साथ बरसात होगी। इसके साथ ही मौसम विभाग ने तेज हवाएं चलने का भी अनुमान जताया है।

मौसम विभाग का अनुमान है कि आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री के आसपास दर्ज किया जाएगा। शुक्रवार को पूरे दिन रुक–रुककर बारिश जारी रही। अधिकतम तापमान 32.3 और न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

अधिकतम आर्द्रता 97 फीसदी न्यूनतम आर्द्रता 77 फीसदी रही। शुक्रवार को बारिश 13.3 मिलीमीटर हुई। लखनऊ में 1 जून से 10 जुलाई तक 74.9 मिलीमीटर बरसात हुई है। इस दौरान सामान्य बारिश का औसत 149.9 मिलीमीटर होता है। अभी तक हुई बरसात सामान्य से 50 फीसदी कम है।

मौसम विभाग ने लखनऊ के आसपास के जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इस बीच लखनऊ में भी भारी बारिश की संभावना है। बादल छाए रहने के साथ में गरज चमक की भी संभावना है।

13 जुलाई तक लखनऊ में मानसून सक्रिय रह सकता है। इसके बाद तापमान बढ़ेगा। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 14 जुलाई से मौसम का मिला–जुला असर देखने को मिलेगा।

अधिकतम तापमान के साथ न्यूनतम तापमान में भी बढ़त होगी। आने वाले चार दिनों में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज हो सकता है।

मुख्यमंत्री आज गोरखपुर से करेंगे पौधरोपण महायज्ञ का शुभारंभ, लगायेंगे पौधा

27 विभागों के सामंजस्य से गोरखपुर में लगाए जाएंगे 55 लाख 28 हजार 600 पौधे

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कल12 जुलाई) को गोरखपुर से प्रदेशव्यापी पौधरोपण महायज्ञ – 2026 का शुभारंभ करेंगे। रविवार सुबह वह गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के समीप और आरकेबीके के पास ताल रिंग रोड के किनारे 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधा लगाएंगे। इस अवसर पर जनसभा कर प्रदेशवासियों को पौधरोपण महायज्ञ में जिम्मेदारीपूर्वक हिस्सेदारी करने का आह्वान करेंगे। महायज्ञ के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना भी रहेंगे। महाभियान के जरिये प्रदेश सरकार ने 35 करोड़ पौधरोपण करने का लक्ष्य है।मुख्यमंत्री लिंक एक्सप्रेसवे के समीप पवित्र त्रिवेणी नीम, पीपल और बरगद का पौधा लगाकर पौधरोपण महायज्ञ का शुभारंभ करेंगे। ताल रिंग रोड के किनारे वह मौलश्री का पौधरोपण करेंगे। सीएम योगी के मार्गदर्शन में इस बार राज्यभर में रिकॉर्ड 35 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य रखा गया है। वन विभाग के संयोजन में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस लक्ष्य में गोरखपुर को 55 लाख 28 हजार 600 पौधरोपण की जिम्मेदारी मिली है। कुल 27 विभागों के सामंजस्य से होने वाले पौधरोपण महाभियान में सबसे बड़ा लक्ष्य वन विभाग के पास है।गोरखपुर के प्रभागीय वनाधिकारी शुभम सिंह के अनुसार गोरखपुर जिले को मिले लक्ष्य को हासिल करने के लिए पौधशालाओं में गुणवत्तायुक्त पौधों की उपलब्धता है। पौधों के बेहतर विकास एवं उत्तरजीविता के लिए चिन्हित रोपण स्थलों पर एडवांस सॉयल वर्क के अंतर्गत गड्ढा खुदाई, टॉप सॉयल की व्यवस्था, पौधरोपण स्थलों का विकास, पौध संरक्षण हेतु तैयारियां पहले से पूर्ण हैं।

गांव के होनहार भी बनेंगे अफसर, योगी सरकार का मेगा प्लान तैयार

32 जिलों के गांवों में तैयार कराई गई ज्ञान की डिजिटल दुनिया

चार लाख की हाईटेक लाइब्रेरी में परीक्षाओं की तैयारी करेंगे छात्र–छात्राएं

लखनऊ (संवाददाता)। ग्रामीण युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेषकर भारतीय प्रशासनिक सेवा, प्रांतीय सिविल सेवा और सरकारी नौकरियों की तैयारी के लिए गांवों में आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पहले चरण में प्रदेश के 32 जिलों की ग्राम पंचायतों में हाईटेक डिजिटल लाइब्रेरी विकसित की गई हैं, जहां छात्र–छात्राओं को ई–बुक्स, वीडियो लेक्चर, ऑडियो कंटेंट और डिजिटल क्विज सहित लगभग 20 हजार डिजिटल शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। इससे गांवों के युवाओं को बेहतर तैयारी के लिए शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।पहले चरण में 11,350 ग्राम पंचायतों में प्रत्येक डिजिटल लाइब्रेरी पर लगभग चार लाख रुपये खर्च किए गए हैं। इनमें करीब दो लाख रुपये की पुस्तकों की व्यवस्था की गई है, जबकि 1.30 लाख रुपये के आईटी उपकरण और लगभग 70 हजार रुपये के अत्याधुनिक फर्नीचर उपलब्ध कराए गए हैं। इन लाइब्रेरियों को इस तरह विकसित किया गया है कि छात्र पारंपरिक पुस्तकों के साथ डिजिटल माध्यम से भी पढ़ाई कर सकें। निदेशक पंचायतीराज अमित कुमार सिंह ने बताया कि डिजिटल लाइब्रेरी में छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए 20 हजार से भी अधिक डिजिटल कंटेंट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इनमें ई–बुक्स, वीडियो लेक्चर, ऑडियो सामग्री और इंटरैक्टिव क्विज शामिल हैं। अब तक 10,406 ग्राम पंचायतों की लाइब्रेरियों में पुस्तकें उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। 9,372 ग्राम पंचायतों में छात्रों के लिए अत्याधुनिक फर्नीचर की व्यवस्था भी पूरी कर ली गई है। ग्राम पंचायतों में चरणबद्ध तरीके से डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित की जा रही हैं। इनका संचालन ग्राम प्रधान और ग्राम सचिव की देखरेख में होगा, जबकि संबंधित सहायक अधिकारी नियमित रूप से इनकी निगरानी करेंगे।

13 जुलाई को राजधानी आएंगे राजनाथ सिंह, केजीएमयू दीक्षांत समारोह समेत कई कार्यक्रम में करेंगे शिरकत

लखनऊ (संवाददाता)। केंद्रीय रक्षा मंत्री और राजधानी लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह रविवार (13 जुलाई) को एक दिवसीय दौरे पर लखनऊ आएंगे। इस दौरान वह किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के 22वें दीक्षांत समारोह में शामिल होने के साथ ही उन्नाव में लखनऊ–कानपुर एक्सप्रेसवे के लोकार्पण कार्यक्रम में भी हिस्सा लेंगे। इसके अलावा सैनिक स्कूल स्थित वार मेमोरियल पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे। भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने बताया कि रक्षा मंत्री सुबह 10.35 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से वह सीधे किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) जाएंगे, जहां सुबह 11.00 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक आयोजित 22वें दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। दीक्षांत समारोह के बाद राजनाथ सिंह 5, कालिदास मार्ग स्थित सरकारी आवास जाएंगे। इसके बाद दोपहर 3.00 बजे ला मार्टिनियर कॉलेज हेलीपैड से हेलीकॉप्टर द्वारा उन्नाव रवाना होंगे, जहां वह लखनऊ–कानपुर एक्सप्रेसवे के लोकार्पण कार्यक्रम में भाग लेंगे। इस परियोजना से प्रदेश की आधारभूत संरचना और आवागमन को नई गति मिलने की उम्मीद है। लोकार्पण कार्यक्रम के बाद रक्षा मंत्री लखनऊ लौटेंगे और सरोजिनी नगर स्थित सैनिक स्कूल के वार मेमोरियल पर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित करेंगे।

जनसेवा सर्वोपरि: प्रतिकूल मौसम में भी जनता दर्शन

लोगों से बोले सीएम–घबराइए मत, सबकी होगी भरपूर मदद

गोरखनाथ मंदिर में करीब ढाई सौ लोगों की सुनीं समस्याये

लखनऊ (संवाददाता)। 'जनसेवा सर्वोपरि' के ध्येय से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह मौसम प्रतिकूल होने के बावजूद जन समस्याओं के निस्तारण के निस्तारण के लिए 'जनता दर्शन' किया। बारिश में दूरदराज से आए लोगों से उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में मुलाकात की। उनकी समस्याएं सुनीं। समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा, 'घबराइए मत, हर समस्या का समाधान कराया जाएगा, सरकार सबकी भरपूर मदद करेगी।' जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और तत्परता से उसका समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराएं। साथ ही गरीबों की भूमि पर कब्जा करने वाले दबंगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिये।बारिश के चलते लोगों की सुविधा के लिए शनिवार सुबह जनता दर्शन गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में किया गया। योगी ने करीब 250 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने का निर्देश दिया। कुछ महिलाओं ने पट्टीदारों द्वारा तो कुछ ने दबंगों द्वारा उनकी जमीन कब्जा करने की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पारिवारिक जमीनी विवादों की स्थिति में पैमाइश व अन्य जांच कराने के बाद निष्पक्ष निस्तारण किया जाए। यदि किसी दबंग ने किसी गरीब की जमीन हड़पी है तो उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। हर बार की तरह शनिवार को भी जनता दर्शन में कुछ लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार

लेकर पहुंचे थे। ऐसे मामलों में सीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी।गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान शनिवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। प्रातःकाल गुरु गोरखनाथ और अपने ब्रह्मलीन गुरुदेव महंत अवेद्यनाथ जी का आशीर्वाद लेने के बाद सीएम योगी ने मंदिर की गोशाला में गोसेवा की।

साहित्यकार अधिदर्शक की पुण्यतिथि पर आयोजित हुई काव्य गोष्ठी

अधिदर्शक ने समाज की पीड़ा को आवाज दी - डॉ. नीरज त्रिपाठी

शब्दातीत को शब्द संभव बनाना कविता है - गणेश गंभीर

मिर्जापुर। त्रिवेणी और हिंदी श्री साहित्य संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में मिर्जापुर के चर्चित साहित्यकार अधिदर्शक की

पुण्यतिथि पर विचार व कवि गोष्ठी का आयोजन प्ले वे स्कूल के सभागार में हुआ। मुख्य अतिथि डॉ नीरज त्रिपाठी, अध्यक्ष गणेश गंभीर व विशिष्ट अतिथि सलिल पाण्डेय, भगवती चौधरी, डॉली अग्रहरि, रचित जैन, राजेंद्र तिवारी, राजपति ओझा ने मां सरस्वती के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके किया। मंचासीन अतिथियों को रवींद्र पांडेय, केदारनाथ सविता, विंध्यवासिनी केशरवानी कुलभूषण पाठक ने अंगवस्त्र से सम्मानित किया।

प्रारंभ में इला जायसवाल ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया। उपस्थित सभी अतिथियों ने स्व. अधिदर्शक के चित्र पर पुष्पांजलि देकर अपनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम का संचालन आनंद अमित और अनिल यादव ने संयुक्त रूप से किया।

मुख्य अतिथि डॉ नीरज त्रिपाठी ने अपने वक्तव्य में कहा कि अधिदर्शक की रचनाएं हम सभी का मार्गदर्शन करती हैं। उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज की पीड़ा को आवाज़ दी। अध्यक्षता कर रहे गणेश गंभीर ने कहा शब्दातीत को शब्द संभव बनाना कविता है। सलिल पाण्डेय ने कविता के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा – मैया लक्ष्मी तुम्हारी महिमा अपरम्पार जिस पर कृपा बरसाती, हो जाता मोटा हाथी। साथ ही साहित्य में लेखन की बारीकियों पर चर्चा किए। भगवती चौधरी ने कहा अधिदर्शक साहित्य के कोहिनूर हो गए। मिर्जापुर में मशहूर हो गए। राजपति ओझा ने अधिदर्शक की रचनाओं की प्रशंसा की। डॉली अग्रहरि ने अधिदर्शक की स्मृतियों को साझा करते हुए उन्हें एक महान रचनाकार बताया। रचित जैन ने अधिदर्शक की पुस्तक दोस्त आनंद भवन रोता है और आपके हाथ में गुलाब आए को बेहतरीन पुस्तक बताया। राजेंद्र त्रिपाठी ने कहा अधिदर्शक एक अच्छे साहित्यकार थे।

काव्यपाठ के क्रम में रवींद्र पांडेय, गुमनाम मिर्जापुरी, विजय कुमार श्रीवास्तव, नंदलाल सिंह चंचल, रेखा चौरसिया, कुलभूषण पाठक, विंध्यवासिनी केशरवानी, अमरनाथ सिंह, प्रमोद गुप्ता, हौसला प्रसाद मिश्र, नंदिनी वर्मा, इरफान कुरैशी, केदारनाथ सविता, जगदीश पाण्डेय, इला जायसवाल, आनंद अमित, अन्नू और अनिल यादव ने अपनी रचनाएं सुनाईं। कार्यक्रम में जया पाठक, मुक्ति शर्मा, आस्था चतुर्वेदी, योगेश चतुर्वेदी, आनंद केशरी, इश्तियाक अहमद अंसारी, दिनेश चौधरी, अभिजीत कुमार गौड़, दिलीप सिंह, संजीव कुमार पटेल, यशवीर राय, पूजा पाण्डेय, सावित्री कुमारी आदि उपस्थित रहे।

ताल–तलैया कुएँ

ताल–तलैया कुएँ खेत का जीवन बनके।
मिल, मिट्टी के साथ कहानी नूतन रचते।
मीठे जल का स्रोत बस्तियाँ कहती जिसको।
बुझा सभी की प्यास हँसाता है वह सबको।
आशाओं के दीप का ये सब एक चिराग हैं।
इनके बिन जो शेष है वे सब केवल आग हैं।

छः सौ ईसा पूर्व बताते हैं पैदाइश।
सच्ची है यह बात मगर है कुछ गुंजाइश।
बता रहा इतिहास कुएँ की कई कहानी।
मानव की है खोज बात है बहुत पुरानी।
खेतों को करके हरा बस्ती को उर्जित करे।
सदा प्राकृतिक ढंग से पानी से खुद को भरे।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

लखनऊ में फ्लाई दुबई के विमान से पक्षी टकराया,इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में शनिवार सुबह 7.13 बजे फ्लाई दुबई के विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास लैंडिंग के दौरान विमान से पक्षी टकरा गया। पायलट ने सूझबूझ से विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराई। विमान में सवार सभी 163 यात्रियों और क्रू मेंबर्स को सुरक्षित उतारा। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, दुबई से लखनऊ आ रही फ्लाइट थ्क–443 को सुबह 6रू35 बजे लखनऊ आनी थी। खराब मौसम की वजह से विमान करीब 38 मिनट लेट था। एयरपोर्ट के पास पहुंचने पर विमान बर्ड हिट का शिकार हो गया। पायलट ने लैंडिंग के लिए तुरंत क्लियर रनवे की मांग की। एयरपोर्ट अथॉरिटी तुरंत हरकत में आई और फ्लाइट के लिए रनवे खाली कराया। लैंडिंग के बाद विमान को रनवे से हटाकर पार्किंग बे में खड़ा कर दिया गया, जहां उसकी विस्तृत तकनीकी जांच की जा रही है। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, अगर सामान्य लैंडिंग हुई होती तो विमान को सुबह करीब 8.15 बजे से पहले दुबई के लिए रवाना कर दिया जाता। इंजीनियर अभी विमान की जांच कर रहे हैं, इसलिए विमान दोपहर 2 बजे यानी साढ़े 6 घंटे से एयरपोर्ट पर ही है। सभी सुरक्षा मानकों के 100 फीसदी पॉजिटिव रिजल्ट के बाद ही विमान को उड़ने की इजाजत दी जाएगी। एविएशन में 'बर्ड हिट' का मतलब होता है जब कोई पक्षी उड़ते या उतरते विमान से टकरा जाता है। यह अक्सर एयरपोर्ट के आसपास खुले कचरे या पेड़ों की वजह से होता है, जहां पक्षी ज्यादा आते हैं। ऐसे हादसों से इंजन को नुकसान पहुंच सकता है।

शारदा ब्रांच नहर में युवक का शव उतराता मिला

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के पारा थाना क्षेत्र में पुराना पारा स्थित पिंक बूथ के पीछे शारदा ब्रांच नहर में शनिवार को एक युवक का शव उतराता हुआ दिखा। स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पारा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को नहर से बाहर निकलवाया। शव मिलने की सूचना फैलते ही मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करते हुए घटनास्थल को अपने कब्जे में लिया और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पारा थाना पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है। इसके अलावा, क्षेत्र के थानों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों का भी मिलान कराया जा रहा है, ताकि मृतक की पहचान हो सके। युवक सफेद शर्ट–पैंट पहने हुए था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शव की पहचान होने के बाद पंचनामा की कार्रवाई पूरी की जाएगी। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा, जिससे मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सके। पारा थाना पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि शव नहर में कैसे पहुंचा और इसके पीछे कोई दुर्घटना, आत्महत्या या अन्य कारण है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। पुलिस की प्राथमिकता शव की पहचान कराना है, ताकि आगे की कानूनी कार्रवाई और जांच को सही दिशा में बढ़ाया जा सके।

गायत्री प्रजापति के आदमियों ने शराब पिलाकर जमीन कब्जाई, थाने का महिलाओं ने किया घेराव

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाने का क्षेत्र की सैकड़ों महिलाओं ने शनिवार दोपहर करीब 2.20 बजे घेराव किया। वे हाथों में 'योगीजी, मदद करें' लिखे हुए पोस्टर लेकर पहुंचीं। महिलाओं ने आरोप लगाया है कि जेल में बंद पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति और उनके आदमियों ने जमीन कब्जा की है। एक दलित महिला ने कहा खनन माफियाओं ने उनके पति को शराब पिलाकर जमीन का एग्रीमेंट करवा लिया। इसके बाद उसे अन्य को बेच दिया। हरिहरपुर सुशांत गोल्फ सिटी निवासी छाया पत्नी प्रेम रावत ने पुलिस को इस मामले में तहरीर दी है। इसमें बताया कि उनके पति से खनन माफिया गायत्री प्रजापति और गुड्डा देवी ने कई साल पहले जो जमीन आवास विकास में चली गई थी। उसका शराब पिलाकर एग्रीमेंट करवा लिया। इसके अलावा अन्य लालच भी दिए। इस दौरान गुमराह करके छाया से भी हस्ताक्षर करवा लिए गए। छाया रावत ने बताया मेरे पति की 10 साल पहले मौत हो गई थी। कुछ समय पहले मैं अपनी जमीन देखने गई तो देखा कि वहां पर बाउंड्री खड़ी है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या 26/31 — दिनांक: 10.07.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ.म.रे., प्रयागराज (आई.एस.ओ.9001: 2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	50261368	लेड एसिड सेकेंडरी सेल 2 वोल्ट 80 एएच	5858 नग	14.09.2026
2	80261066	कम्प्रेस्ड ऑक्सिजन गैस	317002 क्यूबिक मीटर	07.08.2026
3	20263469	सेट ऑफ लैडरिंग हुक बियरिंग CAP (DE)	616 सेट	28.07.2026
4	RGCSU-BSIDIAR-YLED5026	सहायक एलईडी सिग्नल (रूट, शंट एवं कॉलिंग ऑन)	7770 नग	27.07.2026
5	64265113	टैम्पिंग आर्म स्मॉल ईएन-19	288 नग	29.07.2026
6	30262646	पैड फॉर सेकेंडरी सस्पेंशन	2909 नग	30.07.2026

नोट: उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाइट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 1577/26 (MG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

जिम्मेदारी न लेने का घातक रोग

नोटबंदी, लॉकडाउन, चीन की घुसपैठ, पुलवामा और पहलगाम जैसे आतंकी हमले, मणिपुर में जनजातीय संघर्ष, बारिश, सूखा आदि की आपदाएं, पेपर लीक न जाने कितने मामलों में जनता को जान–माल हर तरह का नुकसान हुआ। अभी राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के कारण भावनात्मक तौर पर भी जनता बुरी तरह आहत है। लेकिन प्रधानमंत्री ने कभी इन मामलों में आगे बढ़कर जिम्मेदारी नहीं ली या किसी गलत फैसले के लिए माफी नहीं मांगी, इस्तीफा देना तो दूर की बात है। वहीं आम जनता में से कोई जब किसी मामले पर सरकार की आलोचना करे तो उसे कैसे कानूनी शिकंजे में जकड़ा जाता है, इसकी बड़ी मिसाल उमर खालिद की गिरफ्तारी है। विपक्ष सरकार की आलोचना करे, तो नरेन्द्र मोदी उसे व्यक्तिगत निंदा मानकर कहते हैं कि गालियां उनके लिए टॉनिक का काम करती हैं। अब नरेन्द्र मोदी की राह पर ही देवेन्द्र फड़नवीस चल पड़े हैं। महाराष्ट्र में थोड़े दिनों की बारिश से हाहाकार मच चुका है। कई लोगों की जान चली गई है। 7,000 करोड़ रुपए की लागत वाले और हाल ही में शुरू किए मुंबई–पुणे च्मिसिंग लिंकज् एक्सप्रेसवे पर जो भूस्खलन हुआ और करीब 18 घंटे यातायात बंद रहा, तो विपक्ष ने सरकार पर सवाल उठाए। साथ ही सोशल मीडिया पर भी सरकार की खिंचाई हुई। यह मुद्दा विधानसभा में भी उठा। विधानसभा में शहरों के विकास पर नियम 293 के तहत जब बहस हो रही थी तो मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विपक्ष पर कड़ा हमला करते हुए इस परियोजना को इंजीनियरिंग का एक शानदार वैश्विक नमूना करार दिया। उन्होंने कहा कि देवेंद्र फडणवीस को बुरा–भला कहना ठीक है। मुझे इसकी आदत है। मुझ पर इन बातों का कोई असर नहीं होता। मैंने जिंदगी में एक बात सीखी है, आज से 10 साल बाद, जो लोग आज बुरा–भला कह रहे हैं, वे शायद दिखाई न दें, लेकिन च्कनेक्टिंग लिंकज् कायम रहेगा, और उस पर देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे के नाम होंगे। आप मुझे जितना चाहें बदनाम करें, लेकिन अगर आप महाराष्ट्र को बदनाम करेंगे, तो मैं किसी को नहीं बख्शूंगा। इसके बाद अपनी भाषा का स्तर प्रचलित भाजपाई राजनीति के अनुरूप गिराते हुए फड़नवीस ने कहा कि जिनको कुत्ता भी नहीं पूछा, वो आजकल सोशल मीडिया पर आकर सबको गाली देते हैं, मुख्यमंत्री को भी गाली देते हैं। ऐसे भाड़े के टट्टे इस मिसिंग लिंक के बारे में भी पैसा ले–लेकर सोशल मीडिया पर लिख रहे थे, ऐसे लोगों को कह देना चाहता हूं कि अगर महाराष्ट्र का अपमान करोगे तो छोड़ूंगा नहीं। देवेन्द्र फड़नवीस ने सदन की गरिमा को हाशिए पर धकलते हुए कुत्ते जैसे असंसदीय शब्द का इस्तेमाल किया और इस पर जिस तरह सदन में सत्ता पक्ष के लोगों ने उनका समर्थन किया, उससे जाहिर होता है कि सरकार को लोकतांत्रिक शालीनता और मर्यादा की कोई परवाह नहीं है। सोशल मीडिया पर पैसे लेकर ट्रोलिंग का काम भाजपा के शासन में ही खूब बढ़ा है और इसके पीछे किन लोगों का समर्थन रहा है, यह जनता जानती है। वैसे अगर संरचनात्मक गड़बड़ियों पर सरकार से ही जवाब मांगा जाएगा, इस पर भाजपा सरकार के लोग चिढ़ते क्यों हैं, यह समझ से परे है। हाल ही में एक वाकया उत्तरप्रदेश से सामने आया है, जब पत्रकार ने मंत्री दिनेश प्रताप सिंह से सवाल किया कि मुख्यमंत्री के उद्घाटन से पहले ही लखनऊ–कानपुर एक्सप्रेसवे कई जगह से धंस गया है। तो दिनेश प्रताप सिंह ने जवाब दिया कि इसमें कौन सी नयी बात है, आप सड़क खुद बनवा लो। उन्होंने सड़कों की टूट–फूट और मरम्मत को प्रक्रिया का हिस्सा बताया। बेशक सड़कें टूटती हैं, उनमें गड्ढे बनते हैं, लेकिन जब वे कई बरसों तक इस्तेमाल हो जाएं तब उनकी मरम्मत की नौबत आनी चाहिए। अगर उद्घाटन से पहले या शुरु होने के चंद दिनों में सड़कें, पुल या कोई भी इमारत टूटे तो जाहिर है कि उसमें बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। इस समय अकेले महाराष्ट्र या उत्तरप्रदेश से नहीं, बल्कि गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली कई राज्यों में कहीं सड़कें टूटीं, कहीं एयरपोर्ट पानी–पानी हुआ, कहीं स्टेशन पर पंखे से पानी गिरने लगा। ऐसी तस्वीरें देखकर समझा जा सकता है कि विकास के नाम पर जनता के दिए टैक्स से जो भारी–भरकम परियोजनाएं बन रही हैं, उनकी लागत का बड़ा हिस्सा भाजपा नेताओं, अधिकारियों या ठेकेदारों की जेब में जा रहा है। दिक्कत यह है कि भारतीय जनता ने इस भ्रष्टाचार को अब सामान्य आचरण मानकर स्वीकार कर लिया है। फिर भी कभी सवाल उठाए जाते हैं तो ऐसे ही जवाब मिलते हैं कि खुद बनवा लो या जिनको कुत्ता नहीं पूछता वो सवाल पूछ रहे हैं। सरकार की आलोचना को व्यक्तिगत आलोचना माना जाने लगा है या फिर देश विरोधी काम। जबकि हाल ही में महाराष्ट्र में ही जस्टिस माधव जामदार ने सरकार विरोधी नारे लगाने पर एक व्यक्ति को तड़ीपार करने के आदेश पर पुलिस को फटकार लगाई।

क्या अकाली दल बादल के लिए चुनौती बनेगा 'वारिस पंजाब दे' और अकाली दल

इकबाल सिंह चन्नी

पंजाब के कई राजनेताओं, विशेष रूप से मनप्रीत सिंह अयाली के पुनर सुरजीत अकाली दल छोड़कर अकाली दल 'वारिस पंजाब दे' में शामिल होने और कई अन्य पार्टियों के नेताओं द्वारा 'वारिस पंजाब दे' में शामिल होने के कारण पंथक राजनीति एक बार फिर नए दौर में प्रवेश कर रही है। लंबे समय तक शिरोमणि अकाली दल (बादल) को पंथक राजनीति का मुख्य केंद्र माना जाता रहा लेकिन अब अकाली दल 'वारिस पंजाब दे' और अकाली दल 'पुनर सुरजीत' जैसी ताकतों के सक्रिय होने से राजनीतिक समीकरण बदलते नजर आ रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या यह नया राजनीतिक माहौल शिरोमणि अकाली दल (बादल) के लिए चुनौती बन सकता है? कई राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि यह चुनौती मुख्य रूप से अकाली वोट बैंक के बंटवारे के रूप में सामने आ सकती है। शिरोमणि अकाली दल (बादल) का ग्रामीण पंजाब और सिख मतदाताओं में कई दशकों से आधार रहा है लेकिन पिछले कुछ वर्षों में पार्टी को कई राजनीतिक और संगठनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। इस दौरान अकाली दल 'वारिस पंजाब दे' ने खुद को पंथक मुद्दों की नई आवाज के रूप में पेश करने की कोशिश की है। लोकसभा की 2 सीटें जीतकर इस कोशिश को कामयाबी की ओर बढ़ाया भी है। अकाली दल (अमृतसर) भी लंबे समय से अपने अलग पंथक एजैंडे के साथ सक्रिय है, जबकि अकाली दल 'पुनर सुरजीत' प्रभावशाली शुरुआत करने के बावजूद अकाली दल 'वारिस पंजाब दे' के मुकाबले कुछ कमजोर होता दिखाई दे रहा था। लेकिन अब अकाली दल पुनर सुरजीत के कई नेताओं द्वारा साहनेवाल के गुरुद्वारा रेरू साहिब में पंथक धड़ों को इकट्ठा करने के लिए एक बैठक की गई। इस बैठक में पुनर सुरजीत के कई बड़े नेता शामिल हुए और उनके द्वारा वारिस पंजाब दे, अकाली दल अमृतसर और अन्य पंथक धड़ों के साथ एकता करने के लिए एक कमेटी का गठन किया गया। इस कमेटी के प्रमुख सदस्य जत्थेदार संता सिंह और इकबाल सिंह झूंदां ने अकाली दल वारिस पंजाब दे के बापू तरसेम सिंह और मनप्रीत सिंह अयाली सहित कई नेताओं के साथ बातचीत की है, हालांकि एक बार पहले भी गठबंधन की कोशिश की गई थी लेकिन वह सफल नहीं हुई थी, पर अब इनके द्वारा एक सांझे एजैंडे पर सहमति बना ली गई है। इस तरह अकाली दल वारिस पंजाब

दे और अकाली दल पुनर सुरजीत द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव मिलकर लडने का रास्ता साफ हो रहा है। और इस कमेटी द्वारा जल्द ही अकाली दल अमृतसर और अन्य पंथक पक्षों के साथ एकता के बारे में बातचीत करने की संभावना है। इस समय अकाली दल बादल के मुकाबले पर अकाली दल वारिस पंजाब दे, अकाली दल पुनर सुरजीत और अकाली दल अमृतसर प्रमुख विपक्षी धड़ों के रूप में गिने जा सकते हैं। अब सोचने वाली बात है कि इस समय इन धड़ों का जन आधार क्या है। अकाली दल 'वारिस पंजाब दे' के प्रभाव की बात करें तो उसने खास तौर पर युवा मतदाताओं और पंथक सोच वाले वर्ग में अपनी पहचान बनाने की कोशिश की है। यदि यह समर्थन और बढ़ता है, तो वह पारंपरिक अकाली वोट बैंक के एक हिस्से को प्रभावित कर सकता है। हालांकि यह प्रभाव पूरे पंजाब में एक जैसा होगा या नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। अकाली दल (अमृतसर) लंबे समय से पंथक राजनीति का हिस्सा है। भले ही इसे बड़ी चुनावी सफलता नहीं मिली लेकिन कुछ क्षेत्रों में इसका एक स्थायी समर्थक वर्ग है। यह भी कई हलकों में पंथक वोटों के समीकरण को प्रभावित कर सकता है। अकाली दल 'पुनर सुरजीत' ने राज्य स्तर पर बड़ी ताकत के रूप में शुरुआत की, परंतु नेतृत्व में एकजुटता की कमी के कारण यह धड़ा पहले से कुछ कमजोर हो रहा है, फिर भी जहां इसके बड़े और जन आधार वाले नेता चुनाव लड़ेंगे, वहां यह पार्टी चुनावी मुकाबले को प्रभावित कर सकती है। आखिरी सवाल है कि क्या ये अकाली धड़े अकाली दल (बादल) के लिए बड़ी चुनौती हो सकते हैं? यह कहना कि अकाली दल 'वारिस पंजाब दे' या अन्य धड़ों ने पहले ही शिरोमणि अकाली दल (बादल) का स्थान ले लिया है, तथ्यों के आधार पर ठीक नहीं होगा। लेकिन यह जरूर कहा जा सकता है कि पंथक राजनीति में मुकाबला पहले से काफी बढ़ गया है। शिरोमणि अकाली दल (बादल) के पास अभी भी संगठन, अनुभव और कई क्षेत्रों में पारंपरिक आधार मौजूद है, जबकि नई ताकतें अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रही हैं। 2027 के चुनावों में यह महत्वपूर्ण होगा कि क्या पंथक वोट एकजुट रहते हैं।

या कई धड़ों में बंट जाते हैं। इसका प्रभाव न केवल शिरोमणि अकाली दल (बादल) पर, बल्कि पंजाब की समग्र राजनीतिक तस्वीर पर भी पड़ सकता है। परंतु नए बन रहे समीकरणों के कारण यदि बादल विरोधी सभी धड़े इकट्ठे हो जाते हैं, तो अकाली दल बादल के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकते हैं।

दिल्ली आज बहुस्तरीय प्रदूषण संकट से जूझ रही है

अरुण कुमार डनायक

लगभग डेढ़ दशक पहले बीजिंग दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में था। तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि वही शहर आज इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का वैश्विक उदाहरण बन जाएगा। चीन सरकार ने शहरी परिवहन में इलेक्ट्रिक बसों व टैक्सियों का बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया। इससे वायु गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ, हालांकि प्रदूषण पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ। दिल्ली आज बहुस्तरीय प्रदूषण संकट से जूझ रही है। सर्दियों में धीमी हवाओं और तापमान उलटाव से जहरीली हवा फंस जाती है। वाहनों का दबाव, निर्माण व औद्योगिक धूल, पराली जलाने का धुआं और कचराध्बायोमास दहन प्रदूषण को और गहरा करते हैं। आसपास के कोयला आधारित बिजलीघर और मथुरा रिफायनरी से निकलने वाले सल्फर डाइऑक्साइड व नाइट्रोजन ऑक्साइड भी वायु गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। इन सबके संयुक्त प्रभाव से सार्वजनिक स्वास्थ्य पर गंभीर संकट खड़ा होता है और सरकारों के सामने ऊर्जा संक्रमण, क्षेत्रीय सहयोग तथा शहरी परिवहन सुधार जैसी चुनौतियां उपस्थित होती हैं। इन परिस्थितियों के बीच दिल्ली सरकार द्वारा अधिसूचित नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति–2026 केवल परिवहन नीति नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा संक्रमण की दिशा में एक महत्वाकांक्षी पहल के रूप में सामने आई है। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की यात्रा केवल राज्यों की पहल तक सीमित नहीं रही। केंद्र सरकार ने 2015 में फेम इंडिया योजना शुरू की, जिसे बाद में फेम–11 के रूप में विस्तारित किया गया। अनुदान, बैटरी निर्माण, चार्जिंग अवसंरचना तथा पीएम ई–ड्राइव जैसी पहलों के माध्यम से केंद्र सरकार ने केवल वाहन खरीद ही नहीं बल्कि पूरे ईवी पारितंत्र को विकसित करने का प्रयास किया है। राष्ट्रीय प्रयासों के

समानांतर अनेक राज्यों ने अपनी–अपनी इलेक्ट्रिक वाहन नीतियां बनाई हैं। दिल्ली के साथ–साथ, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना, केरल, हरियाणा और मध्य प्रदेश सहित कई राज्यों ने ऐसी नीतियां लागू कीं, जिससे जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता घटे, प्रदूषण कम हो और हरित अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन मिले। दिल्ली ने वर्ष 2020 में देश की सबसे प्रगतिशील इलेक्ट्रिक वाहन नीतियों में से एक लागू की थी, जिसका आधार प्रोत्साहन था। खरीद पर सब्सिडी, सड़क कर एवं पंजीकरण शुल्क में छूट, चार्जिंग स्टेशनों का विस्तार और जन–जागरूकता अभियानों के माध्यम से लोगों को स्वेच्छा से इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इसका सकारात्मक परिणाम यह हुआ कि दिल्ली देश के सबसे तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रिक वाहन बाजारों में शामिल हो गई, विशेषकर दोपहिया वाहनों और ई–रिक्शा के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। वर्ष 2026 की नई नीति इसी यात्रा का अगला चरण है। यदि 2020 की नीति को प्रोत्साहन आधारित नीति कहा जाए, तो 2026 की नीति समयबद्ध परिवर्तन आधारित नीति है। अब सरकार केवल रियायतें देकर लोगों की स्वैच्छिक भागीदारी पर निर्भर नहीं रहना चाहती, बल्कि स्पष्ट समय–सीमा निर्धारित कर चरणबद्ध रूप से पेट्रोल और सीएनजी वाहनों से इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर संक्रमण सुनिश्चित करना चाहती है। इसी उद्देश्य से 1 जनवरी 2027 से केवल इलेक्ट्रिक ऑटो–रिक्शा तथा 1 अप्रैल 2028 से केवल इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के नए पंजीकरण का प्रावधान किया गया है। यही गुणात्मक परिवर्तन नई नीति को 2020 की नीति से अधिक साहसिक, स्पष्ट और दूरगामी बनाता है। यद्यपि नई नीति में इलेक्ट्रिक कारों की खरीद पर भी कर एवं पंजीकरण शुल्क में छूट सहित विभिन्न प्रोत्साहनों का प्रावधान है, फिर भी सरकार का मुख्य जोर दोपहिया वाहनों के विद्युतीकरण पर है, क्योंकि दिल्ली के लगभग दो–तिहाई पंजीकृत वाहन इसी श्रेणी के हैं। इनके विद्युतीकरण से वायु प्रदूषण, ईंधन खपत और कार्बन उत्सर्जन में सबसे अधिक कमी लाई जा सकती है। इलेक्ट्रिक मोबिलिटी केवल पर्यावरणीय परियोजना नहीं, बल्कि औद्योगिक नीति भी है। बैटरी निर्माण, सॉफ्टवेयर, चार्जिंग नेटवर्क, बिजली वितरण, ऑटोमोबाइल विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में लाखों नए रोजगार सृजित हो सकते हैं। यदि भारत इस क्षेत्र में समय रहते निवेश करता है तो वह वैश्विक ईवी आपूर्ति श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकता है। परंतु किसी भी नीति की सफलता केवल उसकी घोषणा से नहीं, बल्कि उसके क्रियान्वयन से तय होती है। दिल्ली की नई नीति के सामने अनेक चुनौतियां भी हैं। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की सबसे बड़ी चुनौती चार्जिंग अवसंरचना हैकृलाखों नए ईवी सड़कों पर आने वाले हैं, जबकि मौजूदा नेटवर्क अभी भी अपर्याप्त है। दूसरी चुनौती बिजली वितरण व्यवस्था की है, जिसे बढ़ती मांग के अनुरूप सुदृढ़ करना होगा। तीसरी चुनौती बैटरी आपूर्ति श्रृंखला की है, क्योंकि भारत लिथियम और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों के लिए चीन जैसे देशों पर निर्भर हैय यदि संबंधों में खटास आती है तो आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। इसलिए भारत को लिथियम, कोबाल्ट तथा दुर्लभ खनिजों के वैकल्पिक स्रोत विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है। चौथी चुनौती बैटरी रीसाइक्लिंग की है, अन्यथा प्रदूषण का नया स्रोत पैदा होगा। उपभोक्ताओं के लिए इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की दूरी भी अहम प्रश्न हैकृहालांकि शुरुआती मॉडलों की सीमा 50 किमी थी, आज अधिकांश स्कूटर 120–160 किमी तक चल सकते हैं, जो दिल्ली जैसे महानगर में दैनिक यात्रा के लिए पर्याप्त है। इसके बावजूद कीमत, सर्विस नेटवर्क, प्रशिक्षित तकनीशियन और उपभोक्ता विश्वास जैसी व्यावहारिक चुनौतियां बनी हुई हैं। साथ ही, जब तक बिजली उत्पादन नवाचारी स्रोतों से नहीं बढ़ेगा, ईवी का पर्यावरणीय लाभ सीमित रहेगा।यह भी ध्यान रखना होगा कि दिल्ली का वायु प्रदूषण केवल वाहनों से नहीं होता। पराली जलाना, निर्माण कार्यों से उठने वाली धूल, औद्योगिक गतिविधियां तथा पड़ोसी राज्यों से आने वाले प्रदूषक भी इसमें बड़ी भूमिका निभाते हैं।

इसलिए केवल इलेक्ट्रिक वाहन नीति से समस्या का पूर्ण समाधान नहीं होगा। इसे सार्वजनिक परिवहन के विस्तार, मेट्रो, बसों, साइकिल मार्गों, हरित ऊर्जा और समग्र वायु गुणवत्ता प्रबंधन के साथ जोड़कर ही अपेक्षित परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

नीति की सफलता के लिए सख्त प्रशासनिक निगरानी आवश्यक है, क्योंकि निचले स्तर की लापरवाही, भ्रष्टाचार और उच्चाधिकारियों की अनदेखी अक्सर क्रियान्वयन को कमजोर कर देती है। फिर भी यह स्वीकार करना होगा कि दिल्ली की नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति भारत में हरित परिवहन की दिशा में एक साहसिक और दूरदर्शी कदम है। यदि बीजिंग अपने कठिन अनुभवों से सीख लेकर प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में आगे बढ़ सकता है, तो दिल्ली भी सुविचारित नीतियों, मजबूत आधारभूत ढांचे और प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से स्वच्छ परिवहन की नई मिसाल बन सकती है। यह नीति केवल वाहनों को बदलने की योजना नहीं हैय यह ऊर्जा, पर्यावरण और शहरी जीवन शैली के व्यापक परिवर्तन का आरंभ है। इसकी सफलता अंततरू इस बात पर निर्भर करेगी कि सरकार, उद्योग और नागरिककृतीनों इस परिवर्तन को कितनी गंभीरता से स्वीकार करते हैं।

(लेखक एवं समाजसेवी)

म्यांमार सैन्य शासन का सशस्त्र विद्रोहियों को राजनीतिक संदेश

राजेश पांडेय

कानून और मर्यादा के दायरे में असहमति और विरोध जताने की आजादी स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान है। इसके माध्यम से लोग अपनी भावनाएं व्यक्त करते हैं। सरकार के सामने अपनी अपेक्षाएं रखते हैं। सरकार या अन्य प्रभावशाली तबकों की मनमानी के खिलाफ भावनाओं का इजहार करते हैं। यह प्रजातांत्रिक व्यवस्था की जरूरी शर्त है। इसलिए किसी को नुकसान पहुंचाए बिना विरोध व्यक्त करने के तरीकों को सभी वास्तविक लोकतांत्रिक देशों में संवैधानिक और सामाजिक मान्यता मिली है। लिहाजा, सवाल उठता है कि क्या संसद से लेकर गांवों तक अपने प्रतिनिधि चुनने वाले भारत में लोगों को सही अर्थों में अभिव्यक्ति की आजादी हासिल है या नहीं? क्या मीडिया और अन्य नागरिक संगठन अपनी मर्जी से काम करने के लिए स्वतंत्र है? बहरहाल,पूर्ण स्वतंत्रता जैसी आदर्श स्थिति तो कल्पना से परे है। अगर धरती पर कोई स्वर्ग होता तो शायद वहां भी पूरी आजादी नहीं मिल सकती थी। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 में बोलने और लिखने की आजादी का प्रावधान है। असहमति और असंतोष समाज को दबावों से मुक्त करने के कारगर औजार हैं। लेकिन देश के कई राज्यों में बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी को कुचलने की प्रवृत्ति बढ़ी है। धरना, रैली के माध्यम से सरकार के फैसलों का विरोध करने वालों के खिलाफ पुलिस कई बार सख्त कार्रवाई करती है। इसलिए बम्बई हाईकोर्ट के जस्टिस माधव जयाजीराव जामदार का यह कथन उम्मीद जगाता है कि क्या सभी नागरिक भारत सरकार के गुलाम हैं? जस्टिस जामदार ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा एक राजनीतिक पार्टी के कार्यकर्ता को नागरिकता कानून में संशोधन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और नारे लगाने पर एक साल के लिए जिलाबदर करने के आदेश को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 और 21 में नागरिकों को अपनी राय व्यक्त करने और शान के साथ रहने का अधिकार है। लोगों को जनहित के मुद्दों पर अपनी आवाज उठाने का हक है। कोर्ट ने यह भी कहा है कि पुलिस अधिकारी मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री के सेवक नहीं बल्कि जनता के सेवक हैं। जस्टिस जामदार की टिप्पणी ध्रुवीकरण और संवैधानिक संस्थाओं को महत्वहीन बनाने की कोशिश के दौर में बेहद अहम है। आम नागरिक की स्वतंत्रता का दायरा सिमट रहा है। उस पर लगातार संदेह और दबाव बढ़ा है। अभी हाल के कुछ फैसलों और मामलों पर नजर डालें तो लोगों को कदम–कदम पर परीक्षा देना पड़ रहा है। मतदाता सूचियों के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया में वोटर पर अपनी पहचान साबित करने की पूरी जिम्मेदारी डाल दी गई है। तार्किक विसंगति जैसा अटपटा और अनोखा प्रावधान वोटर को मतदाता सूची में शामिल करने की बजाय बाहर करने से ज्यादा प्रेरित नजर आता है। पश्चिम बंगाल की एसआईआर का एक करिश्मा अभी हाल ही प्रकाश में आया है। कोलकाता के अंग्रेजी अखबार टेलीग्राफ के पूर्व संपादक आर राजगोपाल के पासपोर्ट का नवीनीकरण खटाई में पड़ गया। दरअसल, एसआईआर के दौरान उनका नाम मतदाता सूची से बाहर हो गया है। पासपोर्ट में देर के कारण वे अपनी बेटी की शादी में शामिल होने के लिए अमेरिका नहीं जा पाए। अभी हाल में विदेश मंत्रालय ने यह कहकर लोगों की चिंता बढ़ा दी है कि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं है। इससे नया विवाद खड़ा हो गया है। लोगों की पहचान से जुड़े कई दस्तावेज सरकार जारी करती है। फिर उन पर खुद सवाल उठाती है। एक अन्य फैसला नागरिक समाज पर सरकार की गहराती छाया की तस्वीर दिखाता है। विदेशी अंशदान विनियमन नियम (एफसीआरए) 2026 में संशोधन के जरिये विदेशी धन लेने वाले अशासकीय संगठनों (एनजीओ) को अपनी गतिविधियों को परिभाषित करना पड़ेगा, कामकाज का क्षेत्र बताना होगा और कई सूक्ष्म जानकारियां सरकार को देना होंगी। जाहिर है, ऐसे नियमों से अशासकीय संगठनों पर सरकार का शिकंजा मजबूत होगा। कुछ एनजीओ शिक्षा, स्वास्थ्य और कई अन्य क्षेत्रों में अच्छा मैदानी काम करते हैं। वे जरूरी मुद्दों पर जनमत जगाते हैं। नए नियम उनकी गतिविधियों पर असर डालेंगे। सरकार ने विदेशी धन के दुरुपयोग और गैरकानूनी धर्मपरिवर्तनों पर चिंता जताते हुए विदेशी सहायता लेने वाले एनजीओ पर नजर रखने के लिए कड़े नियम बनाए हैं। यहां अतीत की स्थिति पर नजर डालना भी उचित होगा। आम नागरिकों, मीडिया, गैर सरकारी संगठनों पर सरकार की पैनी नजर रखने के प्रावधान सिर्फ बीते दस–बारह सालों में नहीं किए गए हैं। पहले भी सरकारें मीडिया और सिविल सोसायटी पर अंकुश लगाने के उपाय करती रही हैं। मिसाल के तौर पर देश में सबसे पहले सेंसरशिप इमरजेंसी के दौरान (1975–1977) लागू हुई थी। उस वक्त जानकारी के मुख्य स्रोत अखबार और सरकारी रेडियो, टेलीविजन (बहुत सीमित क्षेत्र में) थे। अखबारों के दफ्तरों में केंद्र सरकार के प्रेस सूचना ब्यूरो के अफसरों का आना–जाना रहता था। पीटीआई, यूएनआई, समाचार भारती और हिंदुस्तान समाचार को मिलाकर बनी सिर्फ एक न्यूज एजेंसी श्समाचारश काम करती थी।

एक बेटी की दर्द भरी फरियाद

मैं तो बाबुल की बहुत लाडली थी
जैसे बागों की मुस्कराती कली थी।

मॉ की ममता के आंचल तले पली थी
जीवन मानो चॉदनी सी रोशनी थी !
सपनों को उड़ान भरने मेरी हौसला थी
रंग–बिरंगी चुडियॉ पहन मैं निकली थी!
बेरहमियों के हाथों रुह अपनी जली थी।
राहों में चुड़ियॉ सब टुटकर बिखरी पड़ी थीं
मेरी चीखों ने कैसे धरती–आसमॉ छूँ लिया!
नरभक्षीयों का जैसे गंदा आखड़ा हो गया।
मेरी फरियाद ऐ–खुदा पहुंच जाए तुझ तक
दरिंदों को माफ़ न कर क़यामत तक।
पूछो मेरी बाबुल से मेरी जुदाई का ग़म
होगा क्या उसके ऑखों से उम्र भर नमी कम...??

चारिआलि (असम) से लेखिका/कवयित्री– सैयदा आनोवारा खातून

एआर रहमान मजाकिया और बातूनी हैं

निखिता गांधी

गायिका निखिता गांधी ने अरिजीत सिंह के साथ सहयोग करने, एआर रहमान के साथ रिकॉर्डिंग करने और अन्य बातों के बारे में बात की।निखिता गांधी निखिता गांधी ने पिछले कुछ वर्षों में कई लोकप्रिय गानों में अपनी आवाज दी है, जिनमें राब्ता, काफिराना, बुर्ज खलीफा, नाच मेरी रानी और दिल का टेलीफोन शामिल हैं। हाल ही में, उन्होंने प्रियदर्शन की फिल्म श्भूत बंगलाश में अरिजीत सिंह के साथ वामिका गब्बी के किरदार को अपनी आवाज दी, जिससे उनके बढ़ते संगीत करियर में एक और यादगार गाना जुड़ गया। दीपिका पादुकोण और कैटरीना कैफ जैसी अभिनेत्रियों के लिए भी गाने गा चुकीं उन्होंने धीरे–धीरे विभिन्न शैलियों और संगीत उद्योगों में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। इस बातचीत में गायिका अरिजीत सिंह और एआर रहमान के साथ काम करने, पार्श्व गायन को लेकर फैली गलत धारणाओं, राबता ने उनकी जिंदगी कैसे बदल दी और अंततः दंत चिकित्सा के बजाय संगीत को चुनने के बारे में बात करती हैं। निखिता गांधी प्रियदर्शन की फिल्मों में अक्सर बेहद यादगार संगीत होता है। क्या भूत बंगला पर काम करते समय यह विरासत आपके दिमाग में थी? आपको यह जानकर हंसी आएगी, लेकिन मुझे गाने की रिलीज से एक दिन पहले तक पता ही नहीं था कि श्तू ही दिसदाश श्भूत बंगलाश के लिए है। मुझे बस इतना पता था कि यह एक प्रेम गीत है। मुझे कलाकारों के बारे में या अरिजीत सिंह के इसमें होने के बारे में भी कुछ नहीं पता था। मैं दादा के लिए बहुत सारे गाने गाती हूँ, और वो एक साथ इतनी सारी फिल्मों पर काम करते हैं कि ये बताना मुश्किल हो जाता है कि कौन सा गाना किस फिल्म के लिए है। और मैं आमतौर पर पूछती भी नहीं हूँ। यही मेरा काम करने का तरीका है। मैं षाने पर ध्यान दो, परिणाम पर नहींष में विश्वास करती हूँ। फिर भी, मुझे ये जानकर बहुत खुशी हुई कि मैं प्रियदर्शन की फिल्म का हिस्सा बनूँगी। उनके काम में बहुत कुछ खास है, और बेशक, उनके साथ जुड़ना मेरे लिए गर्व की बात है। यूट्यूब 4रक्8म्श्रनजम्ि आपने दीपिका पादुकोण से लेकर वामिका गब्बी तक सभी अभिनेत्रियों को अपनी आवाज दी है। क्या कुछ अभिनेत्रियों की आवाज आपकी आवाज के साथ ज्यादा मेल खाती है? ओह हाँ! मैंने गौर किया है कि मैंने कियारा आडवाणी और कैटरीना कैफ के लिए बहुत सारे गाने गाए हैं। मुझे लगता है कि मेरी वो थोड़ी भारी, पश्चिमी शैली वाली, मोहक आवाज इन थोड़ी श्अंतरराष्ट्रीयश दिखने वाली अभिनेत्रियों पर खूब जंचती है! वैसे, एक मजेदार बात ये है कि मेट्रो फिल्म पर काम करते समय... डिनो में मैंने फिल्म के संगीत में काफी गाने गाए, क्योंकि अनुराग दा (अनुराग बसु) को ये देखकर बहुत हैरानी हुई कि सारा अली खान और मेरी बोलने की आवाज कितनी मिलती–जुलती है। ये बात बहुत मजेदार और सच भी है, क्योंकि लॉन्च इवेंट में वो मुझे हंसाते रहे ताकि सारा को साबित कर सकें कि हमारी हंसी एक जैसी है। आपने अरिजीत सिंह के साथ कई बार सहयोग किया है। उनके साथ रिकॉर्डिंग करना अब तक बहुत सहज रहा है या अभी भी थोड़ा डरावना लगता है? यह बिल्कुल भी डरावना नहीं है, मुख्य रूप से इसलिए क्योंकि वह अपनी सभी रिकॉर्डिंग जियागंज से भेजता है। मैं उसके साथ कई बार मिल चुका हूं और उसे रिकॉर्डिंग करते हुए देख चुका हूं, और यहां तक घ्कि एक निर्माता के रूप में उसके कुछ इंडी प्रोजेक्ट्स पर काम भी कर चुका हूं, इसलिए हमारा साथ में काम करना हमेशा बहुत सहयोगात्मक और काफी सहज रहा है। एक बार तो मेरी हालत इतनी खराब हो गई थी जब मैं श्संजूश पर काम कर रही थी और स्टूडियो में अपनी बारी का इंतजार कर रही थी, और मुझसे पहले श्रेया घोषाल गा रही थीं। वो तो लाजवाब हैं! प्लेबैक सिंगिंग के बारे में श्रोताओं को कौन सी बात पूरी तरह से गलत समझ आती है? कई तरह की भ्रांतियां हैं। कभी–कभी लोग मान लेते हैं कि अगर यह युगल गीत है, तो हम इसे एक साथ गा रहे हैं। लोग यह भी मान लेते हैं कि हम अभिनेताओं और निर्माताओं के साथ बहुत समय बिताते हैं, जो कि सच नहीं है क्योंकि वे आमतौर पर रिकॉर्डिंग प्रक्रिया में बिल्कुल भी शामिल नहीं होते हैं। वे ज्यादातर सिर्फ संगीत निर्देशक के साथ बातचीत करते हैं। इस पहेली का एक और बेहद गलत समझा जाने वाला पहलू है ऑटोट्यून की कमियां। आम धारणा यह है कि यह उन लोगों के लिए है जो गा नहीं सकते। सच्चाई यह है कि यह सिर्फ एक प्लगइन है, या सरल शब्दों में कहें तो, एक ष्अतिरिक्त विशेषता या बारीकीष, ठीक म्फ और रिवर्ब की तरह, जो केवल गायन को थोड़ा बेहतर बनाता है। बेशक, इसका अत्यधिक या कम उपयोग किया जा सकता है, लेकिन यह किसी गायक की गायन क्षमता का बिल्कुल भी प्रतिबिंब नहीं है। एआर रहमान के साथ आपका पहला सेशन कैसा रहा? अविश्वसनीय! शुरुआत में मुझे स्टूडियो में रिकॉर्डिंग का नाममात्र का अनुभव था। मैं एक तमिल गाना गा रही थी, एक ऐसी भाषा जिसे मैं उस समय मुश्किल से ही बोल पाती थी। गाना बहुत ऊँची पिच का था और उस समय मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव था। गाने की गति भी बहुत कठिन थी क्योंकि मुझे तमिल में तेज गति से गाई जाने वाली पंक्तियाँ और कठिन शब्द गाने थे। मुझे ये कहानी याद करके ही पसीना आ रहा है। खैर, बात ये है कि तकनीकी तौर पर ये बेहद चुनौतीपूर्ण था, लेकिन रहमान सर इतने सहज थे कि उन्होंने मुझे बहुत आत्मविश्वास दिया और खुद सेशन लेकर मेरा मार्गदर्शन किया ताकि मैं गाने को बखूबी निभा सकूं और उनके विजन को समझ सकूं। गाना था श्लाडियोश (फिल्म श्आईश से)। यूट्यूब श्र्त0र्तरजउ–4 एआर रहमान के बारे में ऐसी कौन सी बात है जिसने आपको उनके साथ काम शुरू करने के बाद आश्चर्यचकित किया? वो बहुत मजाकिया और बातूनी है, अगर वो खुलकर बात करे तो। मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि ऐसा होगा। स्टूडियो में मैंने जितने भी प्रोड्यूसरध्अरेंजरध्रिकॉर्डिस्ट देखे हैं, उनमें वो सबसे तेज है। किस गाने ने आपके पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन में बदलाव लाया? मेरे पहले बॉलीवुड गीत, राबता ने मेरे जीवन के प्रति मेरे दृष्टिकोण को पूरी तरह बदल दिया। इसने मुझे यह एहसास दिलाया कि संगीत ही मेरा असली जुनून है और मुझे एक दंत चिकित्सक से गायक बनने का आत्मविश्वास दिया। मुझे नहीं लगता कि एक इंसान के तौर पर मुझमें कोई खास बदलाव आया है या कोई बड़ा परिवर्तन हुआ है। मेरे हिसाब से, श्घरश गाने ने मेरे व्यक्तित्व को निखारने में अहम भूमिका निभाई। इस गाने ने एक कलाकार के रूप में मुझे और भी गहराई दी और मेरी उस संवेदनशीलता को दिखाया जिसकी वजह से मेरे कई प्रशंसक मुझसे और भी गहराई से जुड़ पाते हैं। अब आपके लिए आगे क्या है? संगीत, संगीत, संगीत! मैंने एक एल्बम लिखा है और अन्य कलाकारों के साथ ढेर सारा संगीत तैयार किया है, और यह वही साल होने वाला है जब ये सब रिलीज होने लगेंगे!

इन दिनों फिल्म मैं वापस आऊंगा से चर्चा में बने हुए डायरेक्टर इम्तियाज अली ने बुर्का और पर्दा प्रथा पर एक स्ट्रॉन्ग स्टेटमेंट दिया है, जिसके बाद से ही सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। उनका कहना है कि महिलाओं का ये कहना कि वो बुर्के में सहज हैं, ये एक पिछड़े समाज की निशानी है। हाल ही में अनफिल्टर विद समदीश को पॉडकास्ट में इम्तियाज अली ने कल्चर और समाज पर बात करते हुए कहा है, 'मुझे ये बड़ा नापसंद है, जब लोग कहें कि मैं बुर्के में कंफर्टेबल हूं, मैं पर्दे में कंफर्टेबल हूं। अगर आपको ऐसा लगता है तो ये एक पिछड़े हुए समाज की निशानी है। ये ठीक नहीं है जब आप कहते हैं कि मैं कंफर्टेबल हूं।' आगे उन्होंने कहा, 'इसका मतलब ये है कि आपके दिमाग में इतना विक्टिमाइजेशन हो गया है। मुझे नहीं पता ये कैसे कहना चाहिए। मैं इस बारे में आसपास के लोगों को टोक नहीं रहा या किसी के घर जाकर ये बोलता नहीं हूं। ये वो है जिस पर मैं यकीन करता हूं। अगर कोई कर रहा है तो ठीक है।' आखिर में इम्तियाज अली ने कहा, 'मैं आजकल सोच रहा हूं कि मॉडरेट (संतुलित सोच वाले) लोग कहां हैं। आप किसको वोट दोगे, आप कहां हों, ठीक है, आप कहीं भी हो सकते हैं। आज कल सब एक्स्ट्रीम हैं। अगर किसी की सोच नहीं मिलती तो हम उससे नफरत नहीं कर सकते।' इम्तियाज अली के बयान पर छिड़ी बहस बुर्के पर दिया गया।

हॉरर फिल्म हॉन्टेड 3डी रिलीज के बाद से ही सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं. इसके साथ ही फिल्म की एक्ट्रेस चेतना पांडे भी खूब सुर्खियां बटोर रही हैं. फिल्म में अपने किरदार से दर्शकों का ध्यान खींचने वाली चेतना रियल लाइफ में बेहद ग्लैमरस और स्टाइलिश हैं. आइए जानते हैं आखिर कौन हैं चेतना पांडे. उत्तराखंड के देहरादून में जन्मी चेतना पांडे ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 2013 की फिल्म श्आई डोंट लव यूश से की थी. इसके बाद वो शाहरुख खान और काजोल की सुपरहिट फिल्म श्दिलवालेश (2015) में श्जेनीश के किरदार और श्मुन्ना माइकलश (2017) में भी काम कर चुकी हैं.फिल्मों के अलावा, चेतना एमटीवी के श्ऐस ऑफ स्पेसश (सीजन 1) और कलर्स टीवी के रियलिटी शो श्खतरों के खिलाड़ी 12श में भी एक कंटेस्टेंट के रूप में नजर आ चुकी हैं. वो श्क्लास ऑफ 2020श और श्होमश जैसी पॉपुलर वेब सीरीज में भी अभिनय कर चुकी हैं. चेतना पांडे की सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है. इंस्टाग्राम पर उन्हें 2.5 मिलियन लोग फॉलो करते हैं. चेतना पांडे रियल लाइफ में बेहद ग्लैमरस हैं. चेतना पांडे इन दिनों विक्रम भट्ट की हॉरर फिल्म श्हॉन्टेड 3डीरू इकोज ऑफ द पास्टश में श्सुनहरीश के किरदार में नजर आ रही हैं. श्हॉन्टेड 3डीरू इकोज ऑफ द पास्टश बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई कर रही है. फिल्म ने अब तक, सैकनिल्क के मुताबिक, 16.41 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है.

टीवी के लोकप्रिय अभनेता गौरव खन्ना की पत्नी आकांक्षा चमोला इन दिनों रियलिटी शो लॉकअप सीजन 2 का हिस्सा हैं, जिसे फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। कुछ समय पहले आकांक्षा ने शो में अपनी निजी जिंदगी को लेकर बड़ा खुलासा करते हुए बताया था कि उनका और गौरव खन्ना का रिश्ता अब तलाक की ओर बढ़ा रहा है। इसी बीच शो का नया प्रोमो सामने आया था, जिसने दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है। प्रोमो में गौरव खन्ना विजिटर के रूप में शो में एंट्री करते नजर आ रहे हैं, जिससे दोनों की मुलाकात को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाएं तेज हो गई हैं। टीवी इंडस्ट्री के एक्टर गौरव खन्ना ने रियलिटी शो लॉकअप सीजन 2 में विजिटर के रूप में एंट्री कर ली है। शो के प्रोमो में दिखाया जा रहा है कि जैसे ही गौरव अंदर आता है तो आकांक्षा उन्हें देखकर काफी इमोशनल हो जाती हैं। तलाक की खबरों के बीच प्यार बार दोनों को साथ में देखा गया। गौरव की एंट्री इस वजह से काफी सुर्खियों में हैं क्योंकि इस शो के पहले दिन ही आकांक्षा ने गौरव खन्ना से तलाक का फैसला लिया था। दोनों के रिश्ते की दूर अब टूटने को है। ऐसे में अब लोग इस बात को देखने के लिए काफी एक्साइटेड हैं कि दोनों की जब मुलाकात होगी तो क्या होगा। लॉकअप सीजन 2 के नए प्रोमो में फराह खान सभी कंटेस्टेंट्स को बताते हुए नजर आती हैं कि अब विजिटिंग आवर्स की शुरुआत हो चुकी है। जेल के अंदर मौजूद सभी प्रतिभागी यह जानने के लिए उत्साहित हो जाते हैं कि उनसे मिलने आने वाला पहला मेहमान कौन होगा। फराह ऐलान करती हैं कि आज शो में पहला विजिटर सभी कंटेस्टेंट्स से मिलने आने वाला है। जैसे ही गौरव खन्ना की एंट्री होती है, वहां मौजूद सभी लोग काफी हैरान हो जाते हैं। गौरव को देखते ही आकांक्षा अपने इमोशंस पर कंट्रोल नहीं कर पाती और रोने लग जाती हैं। इसी के साथ गौरव बहुत ही मजाकिया अंदाज में कहते हैं– बैंड बजा दी तूने।

केके मेनन की आदर्श बाल विद्यालय का 24 जुलाई को प्राइम वीडियो पर वर्ल्डवाइड प्रीमियर

भारत में दर्शकों के मनोरंजन के सबसे पसंदीदा डेस्टिनेशन, प्राइम वीडियो ने 24 जुलाई को अपनी आने वाली प्राइम ऑरिजिनल सीरीज आदर्श बाल विद्यालय के वर्ल्डवाइड प्रीमियर की घोषणा की। इस सीरीज के निर्देशक हिमांक गौर हैं, जिसे इसके एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर्स बिस्वपति सरकार और समीर सक्सेना ने पोशम पा पिक्चर्स के बैनर तले मिलकर बनाया है। सात एपिसोड वाली इस कॉमेडी सीरीज की कहानी बिस्वपति सरकार, अक्षय अस्थाना, नूपुर पाई, तत्सत पांडे, और मेघना श्रीवास्तव ने मिलकर लिखी है। बेहतरीन कलाकार के के मेनन की मुख्य भूमिका वाली इस सीरीज में अर्चना पूरन सिंह, नवीन कस्तूरिया, प्रसन्ना बिष्ट, अभिमन्यु सिंह, देवेन भोजानी, अजितेश गुप्ता, अन्नपूर्णा सोनी, और प्राची शाह जैसे कलाकारों ने भी अहम किरदार निभाए हैं। इस सीरीज का वर्ल्डवाइड प्रीमियर भारत के साथ–साथ दुनिया भर के 240 देशों एवं क्षेत्रों में 24 जुलाई को सिर्फ प्राइम वीडियो पर हिंदी में अंग्रेजी सबटाइटल के साथ होगा। आदर्श बाल विद्यालय की कहानी, एक बदहाल स्कूल में ज्ञानेश्वर त्रिपाठी (के के मेनन) नाम के एक बेफिक्र स्वभाव वाले हेडमास्टर के इर्द–गिर्द घूमती है। कैंब्रिज में होने वाले एक बड़े सरकारी ट्रेनिंग प्रोग्राम का हिस्सा बनने की उनकी चाहत ऐसा कमाल करती है, कि वो स्कूल की हालत सुधारने के अनदेखे सफर पर निकल पड़ते हैं। शहर के सबसे पिछड़े स्कूलों में से एक की किस्मत बदलने के लिए जब वो शिक्षकों की एक अनोखी टीम को साथ लाते हैं, तो उनका सामना रोजमर्रा की चुनौतियों से होता है–जैसे क्लासरूम में शोर मचाते बच्चे, संसाधनों की कमी, माता–पिता की बेरुखी और कामकाज में आने वाली मुश्किलें। यह सीरीज हंसी–मजाक के साथ जज्बातों को खूबसूरती से जोड़ती है और दिखाती है कि कैसे एक कमजोर समझे जाने वाले संस्थान को भी नया जीवन मिल सकता है। प्राइम वीडियो इंडिया के डायरेक्टर और ऑरिजिनल्स के हेड, 'निखिल मधोक ने कहा' , ष्आदर्श बाल विद्यालय बेहद मजेदार और जोश से भरी कॉमेडी सीरीज है, जो हमारे सिस्टम की गड़बड़ियों और कमियों को सामने लाती है जिसे वहाँ के लोगों की अपनी कोशिशों से अब तक संभाल रखा है। इस कहानी का अंदाज मजेदार, दिल को छूने वाला और हर किसी को अपना सा लगने वाला है, जिसे बिस्वापति सरकार, समीर सक्सेना, हिमांक गौड़ और शो की पूरी टीम ने अपने क्रिएटिव विजन से पर्दे पर उतारा है। अब हमें 24 जुलाई का बेसब्री से इंतजार है जब प्राइम वीडियो पर प्रीमियर के साथ ही ये प्यारी सी सीरीज भारत और दुनिया भर के दर्शकों के सामने होगी। आदर्श बाल विद्यालय के को–क्रिएटर और एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर, बिस्वपति सरकार 'एवं समीर सक्सेना ने बताया,' इसकी शुरुआत बस एक छोटे–से आइडिया से हुई थी कृ एक ऐसे स्कूल की कहानी बयां करना जो हर पैमाने पर नाकाम दिखाई दे रहा है, लेकिन फिर भी ये कुछ ऐसे लोगों के दम पर टिका हुआ है जो रोज वहाँ आते हैं और अपनी तरफ से कोशिश करते रहते हैं। यह सीरीज एक बदहाल स्कूल के अंदर कुछ हंसाने वाले लम्हों और उलझी हुई दुनिया के साथ रोजमर्रा की चुनौतियों को सामने लाती है, साथ ही उन शिक्षकों और छात्रों के जज्बे को भी दिखाती है जो एक–दूसरे का साथ नहीं छोड़ते। इस सीरीज में ज्ञानेश्वर का किरदार सबसे अहम और लीक से हटकर है, जिसका सफर मजेदार होने के साथ–साथ दिल को छू लेने वाला भी है, और के के मेनन ने अपने शानदार अंदाज से इस रोल में जान डाल दी है। हिमांक, हमारे लेखकों, पूरी टीम के साथ मिलकर इस दुनिया को पर्दे पर उतारने का अनुभव बेहद सुकून भरा रहा है।

घर में ऐसे उगाएं जामुन का पेड़, सही देखभाल से सालों तक मिलेगा मीठा फल

❍ जामुन का पेड़ एक बार लग जाए, तो कई सालों तक फल और घनी छाया देता है। लेकिन इसके लिए शुरूआत में सही देखभाल जरूरी होती है। जानें इसे लगाने से लेकर हेल्दी रखने तक के आसान तरीके।

मीठे और हल्के कसैले स्वाद वाला जामुन सिर्फ खाने में ही स्वादिष्ट नहीं होता, बल्कि इसकी खूबियां भी इसे खास बनाती हैं। यही वजह है कि कई लोग अपने घर या बगीचे में जामुन का पेड़ लगाना चाहते हैं। अच्छी बात यह है कि अगर सही तरीका अपनाया जाए, तो जामुन का पौधा घर में भी आसानी से लगाया जा सकता है।

शुरुआत में थोड़ी देखभाल की जरूरत होती है, लेकिन एक बार पेड़ मजबूत हो जाए, तो यह कई सालों तक फल देता है। अगर आप भी अपने घर में हरियाली बढ़ाने के साथ एक फलदार पेड़ लगाना चाहते हैं, तो जानिए जामुन का पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने का आसान तरीका।

जामुन का पौधा कैसे लगाएं?

आप जामुन का पौधा दो तरीकों से लगा सकते हैं।

नर्सरी से तैयार पौधा खरीदकर।

जामुन के बीज से नया पौधा तैयार करके।

अगर जल्दी फल चाहिए, तो नर्सरी का पौधा लगाना बेहतर है।

गमले में उगाया जा सकता है? शुरुआत में जामुन का पौधा बड़े गमले में लगा सकते हैं। लेकिन जैसे–जैसे पौधा बड़ा होगा, उसे जमीन में लगाना ज्यादा अच्छा रहेगा। अगर जगह कम है, तो बहुत बड़ा ड्रम या कंटेनर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

कैसी मिट्टी होनी चाहिए? जामुन का पौधा ऐसी मिट्टी में अच्छी तरह बढ़ता है, जहां पानी जमा ना हो। बगीचे की मिट्टी में गोबर की खाद और थोड़ी रेत मिलाकर इस्तेमाल करें। इससे जड़ों की ग्रोथ बेहतर होती है।

धूप कितनी जरूरी है? जामुन के पेड़ को अच्छी धूप चाहिए होती है। रोज कम से कम छह से आठ घंटे धूप मिलने पर पौधा तेजी से बढ़ता है।

पानी कब दें? नया पौधा लगाने के बाद नियमित पानी दें। मिट्टी पूरी तरह सूखने ना दें। जब पौधा बड़ा हो जाए, तो जरूरत के अनुसार ही पानी दें। बहुत ज्यादा पानी देने से जड़ों को नुकसान पहुंचता है।

खाद कब डालें? हर दो से तीन महीने में गोबर की सड़ी हुई खाद या जैविक खाद डालें। इससे पौधे की ग्रोथ अच्छी होती है और फल आने में मदद मिलती है।

छंटाई भी है जरूरी! सूखी और कमजोर टहनियों को समय–समय पर काटते रहें। इससे नई शाखाएं निकलती हैं और पेड़ हेल्दी रहता है।

फल आने में कितना समय लगता है? अगर पौधा बीज से लगाया गया है, तो फल आने में कई साल लग सकते हैं। नर्सरी से लाए गए अच्छे पौधे में आमतौर पर तीन से पांच साल के अंदर फल आने लगते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

पानी जमा ना होने दें।

पौधे को भरपूर धूप मिले।

समय–समय पर खाद डालें।

कीड़े या बीमारी दिखे, तो तुरंत इलाज करें।

पौधे के आसपास खरपतवार साफ करते रहें।

ना चावल, ना सूजी! इस एक आटे से बनाएं बाजार जैसी सॉफ्ट इडली

सुबह का नाश्ता ऐसा होना चाहिए जो पेट भी भर दे और शरीर को अच्छी एनर्जी भी दे। अगर आप रोज वही पोहा, पराठा या सूजी–चावल की इडली खाकर बोर हो गए हैं, तो इस बार रागी की इडली बनाकर देखें। खास बात यह है कि इसमें चावल का बिल्कुल भी इस्तेमाल नहीं होता।

रागी को सेहत के लिए काफी अच्छा माना जाता है और इससे बनी इडली स्वाद में भी किसी तरह कम नहीं लगती। सही तरीके से घोल तैयार किया जाए, तो यह इडली बिल्कुल मुलायम बनती है। इसे सांभर और नारियल की चटनी के साथ परोसें, फिर हर कोई इसकी तारीफ करेगा।

रागी की इडली बनाने के लिए क्या चाहिए?

आधा कप उड़द दाल

एक चौथाई छोटा चम्मच मेथी दाना

एक कप रागी का आटा

स्वादानुसार नमक

जरूरत के अनुसार पानी

सबसे पहले करें ये तैयारी

उड़द दाल और मेथी दाने को अच्छी तरह धोकर चार से पांच घंटे के लिए पानी में भिगो दें।

इन 3 पौधों की वजह से घर में आ सकती हैं छिपकलियां ? जानें दूर भगाने के आसान तरीके

❍ पेड़–पौधों के आस–पास छिपकलियों–कॉकरोच को बैठे हुए आपने जरूर देखा होगा। कुछ पौधे ऐसे होते हैं, जिनके पास छिपकलियां जरूर दिखेंगी। अगर आपके घर में भी ये पौधें हैं, तो हमेशा छिपकलियों का बसेरा बना रहेगा। चलिए बताते हैं ये कौन से पौधे हैं और इन्हें कैसे भगाएं।

गर्मी–बरसात के मौसम में घरों में छिपकलियां दिखने लगती हैं और फिर किचन, बाथरूम, कमरे सभी जगहों पर ये नजर आने लगती हैं। छिपकली वैसे किसी को कोई तकलीफ नहीं देती है लेकिन इससे लोगों को घिन आती है। साथ ही अगर छिपकली खाने की चीज को जूठा कर दें या उसमें गिर जाए, तो वह भी जहर हो सकता है। वैसे तो छिपकली कहीं से भी आ सकती है लेकिन कुछ पौधें ऐसे होते हैं, जिनकी ठंडक में ये बैठी रहती हैं। अगर आपके घर में भी ये पौधे हैं, तो वहां छिपकलियां जरूर होंगी। इन पौधों के आस–पास से छिपकलियों को भगाने के लिए आप कुछ तरीके अपना सकते हैं।

किन पौधों के आस–पास रहती हैं छिपकलियां

मनी प्लांट

मनी प्लांट का पौधा घना होता है और साथ ही इसके पत्ते बड़े होते हैं। इस पौधे की मिट्टी में नमी बनी रहती है और पत्तियों के आस–पास ठंडक रहती है। ऐसे में छिपकलियां अक्सर मनी प्लांट के पास बैठती है। ठंडक और नमी की तलाश में छिपकलियां इस पौधे को पसंद करती हैं। अगर मनी प्लांट की बेल ऊपर की ओर गई हुई है, तो वहां ही ये बैठ सकती हैं।

चमेली का पौधा

चमेली का फूल खुशबूदार होता है और इसका पौधा ठंडक देने वाला। अगर आपके घर में चमेली का पौधा लगा हुआ है, तो वहां छिपकली बैठी हो सकती है। इसकी सुगंध छिपकलियों को काफी पसंद होती है और इसके आस–पास ठंडक बनी रहती है।

गेंदे का पौधा

गेंदे के फूल का पौधा भी ज्यादातर लोगों के घरों में होता है। ये पौधा घना होता है और इसकी छांव में छिपकली अक्सर बैठी हुई मिल जाएंगी। फूल की महक और पत्तियों की ठंडक से छिपकली अपना बसेरा यहां बना लेती हैं।

दूर भगाने के लिए अपनाएं ये तरीके

अगर आपके घर में पेड़–पौधे हैं और वहां पर छिपकलियां बैठ जाती हैं, तो कुछ तरीके अपनाकर आप उन्हें भगा सकते हैं। इन्हें भगाने के लिए पौधों को हटाने की जरूरत नहीं पड़ेगी बस कुछ टिप्स ट्राई करके देख लें।

कपूर की गोली

इन पौधों के आस–पास कपूर की गोली रख दें। कपूर की महक से छिपकली भाग जाएंगी और फिर दोबारा पौधों के पास नहीं बैठेंगी।

प्याज–लहसुन की गंध

कपूर के अलावा आप आधी कटी प्याज या फिर लहसुन की कलियां भी गमलों के पास या फिर मिट्टी के ऊपर रख सकते हैं। प्याज–लहसुन की गंध से छिपकलियां दूर भागती हैं।

तेजपत्ता भगाएगा दूर

तेजपत्ते वाला नुस्खा भी छिपकलियों को भगाने के लिए सबसे असरदार माना जाता है। तेजपत्ते की तेज महक छिपकलियों को घर और पौधों से दूर रखने में मदद करेंगी।

साफ सफाई रखें

पेड़–पौधों के आस–पास सफाई रखें, अगर पत्ते सूखकर झाड़ी जैसे बन गए हों, तो उन्हें हटा दें। ऐसे में छिपकली के साथ अन्य जीव भी वहां बैठ सकते हैं।

चीला नहीं, बेसन का डोसा 1 बार ट्राई करें! खूब क्रिस्पी और टेस्टी बनती है ये रेसिपी

❍ नाश्ते में बेसन का चीला तो आपने खूब खाया होगा, लेकिन क्या कभी बेसन का डोसा ट्राई किया है? सिर्फ 10 मिनट में बन जाता है और इतना क्रिस्पी और टेस्टी बनता है कि बार–बार घरवाले इसी की डिमांड करेंगे।

सुबह के नाश्ते में कुछ ऐसा चाहिए होता है, जो खाने में टेस्टी भी हो और हेल्दी भी। साथ ही फटाफट बन भी जाए, क्योंकि सुबह इतना टाइम किसी के पास नहीं होता। ऐसे में डोसा बैटर पहले से तैयार हो तो क्रिस्पी और टेस्टी डोसा फटाफट बन जाता है। लेकिन बैटर रेडी ना हो तब? तब आप ये इंस्टेंट बेसन का डोसा बनाकर ट्राई कर सकती हैं। इतना कुरकुरा और स्वादिष्ट बनता है कि नाश्ते में रोज इसे ही खाने का मन करे। बेसन का चीला तो आपने खूब बनाया होगा, लेकिन एक बार इस रेसिपी से बेसन का डोसा जरूर बनाकर देखिए। ये चीले से ज्यादा क्रिस्पी बनता है और मुश्किल से 10 मिनट में रेडी हो जाता है। सुबह के नाश्ते के लिए ये एक परफेक्ट ऑप्शन है। तो चलिए फटाफट से इसकी रेसिपी देख लेते हैं।

बेसन का कुरकुरा डोसा बनाने के लिए सामग्री

सुबह के नाश्ते में बेसन का क्रिस्पी और टेस्टी डोसा बनाने के लिए आपको जिन सामग्रियों की जरूरत होगी वो हैं– बेसन (1 कप), सूजी (2 चम्मच), चावल का आटा (3 चम्मच), नमक (1 चम्मच), बारीक कटी हुई प्याज (1 कप), शिमला मिर्च, टमाटर, अजवाइन (आधा चम्मच), चिली फ्लेक्स (आधा चम्मच), जीरा (आधा चम्मच), लाल मिर्च–लहसुन का पेस्ट (एक चम्मच), हल्दी पाउडर (आधा चम्मच), कटा हुआ हरा धनिया पत्ता और तेल।

सिर्फ 10 मिनट में बनाएं क्रिस्पी बेसन का डोसा

बेसन का डोसा बनाने के लिए एक बाउल में बेसन लें, इसमें थोड़ी सी सूजी और चावल का आटा मिलाएं। सूजी से डोसा का दरदरा टेक्चर आता है और चावल के आटे से कुरकुरापन। साथ ही इसमें थोड़ा सा नमक एड करें और थोड़ा–थोड़ा पानी मिलाते हुए एक पतला सा बैटर तैयार कर लें। इसे अच्छे से मिक्स करें ताकि किसी तरह की कोई गुठलियां ना रहें।

अब बेसन के घोल में बारीक कटी हुई प्याज, शिमला मिर्च और टमाटर एड करें। साथ में थोड़ा सा अजवाइन, चिली फ्लेक्स (मोटी कुटी हुई लाल मिर्च), जीरा और लाल–मिर्च लहसुन का पेस्ट मिलाएं। सभी चीजों को अच्छी तरह मिक्स करें, फिर थोड़ा सा और पानी मिलाएं और एक पतला सा घोल तैयार कर लें। इसे आपको 5 मिनट के लिए रेस्ट करने छोड़ देना है।

5 मिनट के बाद बेसन के बैटर में थोड़ा सा हल्दी पाउडर और ताजा हरा धनिया पत्ता एड करें। जरूरत के हिसाब से थोड़ा सा और पानी भी मिला सकती हैं, ताकि घोल बिल्कुल पतला रहे। डोसा का बैटर बिल्कुल पतला ही रखा जाता है। अब गैस पर तवा गर्म करें और उसपर एक चम्मच तेल डालकर फैला लें। चमचे से डोसा बैटर को तवे पर फैलाएं और तेज फ्लेम पर सिकने दें। जैसे ही ये हल्का सा सिक जाए, इसपर तेज, घी या बटर लगा लें और नीचे की साइड क्रिप्स होने तक पकाएं। डोसा एक ही साइड से सेंका जाता है।

बोनस रेसिपी : डोसा के साथ टेस्टी हरी चटनी बनाएं

बेसन के डोसा के साथ चटपटी सी हरी चटनी खूब टेस्टी लगती है। इसे बनाने के लिए एक मिक्सर में थोड़ा सा नमकीन या सेव लें, साथ में ताजा हरा धनिया पत्ता, पुदीने के पत्ते, लहसुन की कलियां, हरी मिर्च, भुना जीरा पाउडर, नमक, नींबू का रस और थोड़ा सा पानी डालकर चटनी पीस लें। बहुत ही तीखी और चटपटी सी चटनी बनकर तैयार होती है।

शराब और सिगरेट में कौन ज्यादा खतरनाक? जानें पहले किस आदत को छोड़ना चाहिए

❍ शराब पीने की लत हो या सिगरेट की दोनों ही सेहत के लिए हानिकारक होती हैं। लेकिन अगर इन दोनों को छोड़नी की बात हो तो किसे पहले छोड़ना चाहिए। अगर आप भी इस कंफ्यूजन में हैं कि किस आदत को पहले छोड़ें तो यहां जानें।

शराब पीना या फिर स्मोकिंग करना दोनों ही सेहत के लिए हानिकारक आदतें हैं। ऑफिस में घंटों काम करने और भागदौड़ भरी कॉर्पोरेट लाइफ से परे कुछ देर चिल करने के लिए लोग खुद को सेहत के लिए नुकसानदायक आदतों की ओर धकेल रहे हैं। लोग शराब और सिगरेट कई अलग–अलग कारणों से पीते हैं। कुछ लोग शराब या सिगरेट तनाव, चिंता कम करने के लिए पीते हैं। बहुत से लोग रोजाना एक–दो सिगरेट पीते हैं तो वहीं कुछ लोग हफ्ते भर शराब से दूर रहते हैं, लेकिन वीकेंड पर दोस्तों के साथ जमकर शराब पीते हैं। बहुत से लोग जो हफ्ते में एक बार शराब पीते हैं या फिर एक से दो सिगरेट वीकेंड पर पीते हैं उन्हें लगता है कि इससे कोई नुकसान नहीं होता। ऐसे में जानते हैं कि आखिर इसका कोई नुकसान है या नहीं और दोनों में से पहले किसे छोड़ना हेल्थ के लिए बेहतर है।

नुकसानदायक हो सकता है सिगरेट पीना

रिपोर्ट्स की मानें तो दिन में एक या दो सिगरेट पीना भी नुकसानदायक होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि निकोटीन दिमाग को बूस्ट करके कुछ समय के लिए एक्टिव होने का एहसास कराता है, लेकिन समय के साथ स्मोकिंग से ब्लड वेसेल्स को नुकसान पहुंचता है, दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ता है और सेहत पर बुरा असर पड़ता है। रिपोर्ट्स कहती हैं कि सिगरेट पीने का कोई भी लेवल सेफ नहीं है। रिपोर्ट्स की मानें तो दिन में एक सिगरेट पीने से भी दिल की बीमारी और स्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है। वहीं स्मोकिंग फेफड़ों के कैंसर और कई अन्य जानलेवा बीमारियों की मुख्य वजहों में से एक है।

वीकेंड पर शराब पीना ठीक है?

बहुत से लोग सिर्फ वीकेंड पर ही शराब पीते हैं। लेकिन एक ही बार में बहुत ज्यादा शराब पी लेते हैं। ऐसी बिंज ड्रिंकिंग से लिवर पर बहुत ज्यादा दबाव पड़ता है। इससे फैटी लिवर की बीमारी, लिवर में सूजन और समय के साथ लिवर सिरोसिस का खतरा बढ़ सकता है। वहीं एक बार में बहुत ज्यादा शराब पीने से ब्लड प्रेशर अचानक बढ़ सकता है और दिल की धड़कन की लय बिगड़ सकती है।

पहले कौन सी आदत छोड़ें?

वैसे तो दोनों ही आदतों को समय रहते छोड़ देना सही है क्योंकि न तो स्मोकिंग और न ही बहुत ज्यादा शराब पीना सेफ है। दोनों ही शरीर को अलग–अलग तरह से नुकसान पहुंचाते हैं। लेकिन बात स्मोकिंग की हो तो उससे कैंसर, दिल की बीमारी और फेफड़ों की पुरानी बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है। वहीं सिगरेट का धुआं शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाता है। इसलिए सिगरेट को तुरंत छोड़ने की सलाह दी जाती है। वहीं बिंज ड्रिंकिंग को कम करने या पूरी तरह बचने की सलाह दी जाती है।

सिगरेट छोड़ने के बाद क्या ठीक हो जाते हैं लंग्स

रणवीर इलाहाबादिया के शो में इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजिस्ट डॉक्टर समीर गार्डे ने बताया की शराब की लत को छोड़ना आसान है लेकिन स्मोकिंग की लत को छोड़ना मुश्किल है। दरअसल सिगरेट छोड़ने के बाद 8 दिन तक व्यक्ति को बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ज्यादातर लोगों को स्मोकिंग छोड़ने पर दो दिक्कतें ज्यादा होती हैं। पहली कॉन्स्टिपेशन और पाचन से जुड़ी दिक्कत होती है। वहीं स्मोकिंग दोबारा करने की भी इच्छा हो सकती है। आठवे और नौवे दिन बाद शरीर में बदलाव दिखने लगते हैं। वहीं समस्याएं रिवर्स होने लगती हैं। बस आपको थोड़ा समय देना है। डॉक्टर कहते हैं कि नौवे दिन के बाद आपको स्मोकिंग की इच्छा भी नहीं होगी।

संक्षिप्त

हालंद ने ऐसा क्या किया, जिससे लोगों की आंखें नम हो गईं? इस नन्हे फैन के परिवार के लिए बने फरिश्ता

बोस्टन,एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 में अपने गोलों से नॉर्वे को क्वार्टर फाइनल तक पहुंचाने वाले एर्लिंग हालंद ने मैदान के बाहर भी ऐसा काम किया है, जिसने दुनिया भर के फुटबॉल प्रशंसकों का दिल जीत लिया। हालैंड ने सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले अपने छह वर्षीय फैंस के परिवार को हस्ताक्षर वाली नॉर्वे टीम की जर्सी और खुद से लिखा पत्र भेजा। इस पत्र में उन्होंने भावुक कर देने वाली बातें लिखीं। रिपोर्ट के मुताबिक, छह वर्षीय डेनिस की सड़क हादसे में मौत हो गई थी। डेनिस एर्लिंग हालंद का बहुत बड़ा फैन था और फुटबॉल से बेहद प्यार करता था। जब हालंद को इस बारे में पता चला तो उन्होंने अपने परिवार के साथ मिलकर डेनिस के माता–पिता के नाम एक भावुक पत्र लिखा और नॉर्वे राष्ट्रीय टीम की साइन की हुई जर्सी भेजी। हालंद और उनके परिवार ने पत्र में लिखा, श्प्रिय माता–पिता मैथियास और तिरिल, डेनिस के निधन पर हम सभी की ओर से आपको गहरी संवेदनाएं। हम खुद भी माता–पिता और भाई–बहन हैं, इसलिए यह कल्पना भी नहीं कर सकते कि आप किस दर्द से गुजर रहे होंगे। इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं आपके साथ हैं। हमें पता चला कि डेनिस को फुटबॉल से बहुत प्यार था। इसलिए हम यह उपहार आपको भेजना चाहते थे। सादर, हालंद परिवार। डेनिस के पिता ने इंस्टाग्राम पर उस पल को साझा किया, जब उन्हें हालंद की ओर से यह पार्सल मिला। उन्होंने लिखा, श्सबसे अप्रत्याशित क्षणों में से एक वह था, जब हमें एर्लिंग ब्राउट हालंद और उनके परिवार की ओर से नॉर्वे राष्ट्रीय टीम की साइन की हुई जर्सी और एक खुद से लिखा पत्र मिला। इसे देखकर हमारे रोंगटे खड़े हो गए। अगर डेनिस आज हमारे बीच होता तो उसे इस बात पर बेहद गर्व होता। एर्लिंग, आप उसके सबसे बड़े आदर्श थे। आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। हालंद के इस भावुक कदम की सोशल मीडिया पर खूब सराहना हो रही है। फैंस ने कहा कि मैदान पर गोल करना एक बात है, लेकिन मुश्किल समय में किसी परिवार का सहारा बनना किसी खिलाड़ी को महान बनाता है। विश्व कप में सात गोल कर नॉर्वे को क्वार्टर फाइनल तक पहुंचाने वाले हालंद ने इस घटना से साबित कर दिया कि उनकी पहचान सिर्फ एक शानदार स्ट्राइकर की नहीं, बल्कि एक संवेदनशील इंसान की भी है।

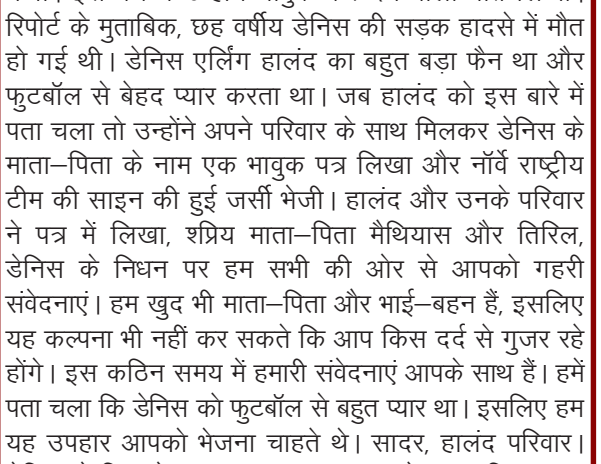

ई20 ईंधन पर सरकार का जवाबरू क्यों नहीं मिलेंगे शुद्ध पेट्रोल और ई10 के विकल्प?

नई दिल्ली,एजेंसी। उपभोक्ताओं को शुद्ध पेट्रोल, ई10 और ई20 ईंधन के बीच विकल्प क्यों नहीं दिया जा रहा है? इस बारे में चिंताओं का जवाब देते हुए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा कि भारत के विशाल ईंधन वितरण नेटवर्क में कई पेट्रोल ग्रेड बनाए रखने से प्रमुख परिचालन और लॉजिस्टिकल चुनौतियां पैदा होंगी। मंत्रालय ने कहा कि भारत का ई20 की ओर बदलाव ऑटोमोबाइल निर्माताओं, परीक्षण एजेंसियों और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक विचार–विमर्श के बाद एक सुनियोजित परिवर्तन का हिस्सा है। मंत्रालय ने आगे कहा कि यह निर्णय वाहन अनुकूलता, इंजन प्रदर्शन, उत्सर्जन और ईंधन दक्षता को कवर करने वाले तकनीकी मूल्यांकनों पर आधारित था। ईंधन स्टेशनों पर शुद्ध पेट्रोल, ई10 और ई20 की अलग–अलग उपलब्धता की मांग को संबोधित करते हुए, मंत्रालय ने कहा कि भारत की ईंधन वितरण प्रणाली एक साथ कई राष्ट्रव्यापी आधार ईंधन धाराओं को संचालित करने के लिए डिजाइन नहीं की गई है। मंत्रालय ने कहा, श्भारत में एक लाख से अधिक खुदरा आउटलेट संचालित होते हैं, जिन्हें रिफाइनरियों, टर्मिनलों, डिपो और पाइपलाइनों के व्यापक नेटवर्क का समर्थन मिला है। मंत्रालय ने आगे कहा कि अलग–अलग पेट्रोल मिश्रणों के लिए अलग–अलग आपूर्ति श्रृंखला बनाए रखने से हैंडलिंग लागत बढ़ेगी, इन्वेंट्री प्रबंधन जटिल होगा और परिचालन दक्षता कम होगी। मंत्रालय ने कहा कि प्रीमियम पेट्रोल के साथ तुलना करना उचित नहीं है, क्योंकि प्रीमियम ईंधन विशेष उत्पाद हैं जो सीमित मात्रा में विशेष योजकों के साथ बेचे जाते हैं और ये अलग–अलग राष्ट्रव्यापी ईंधन आपूर्ति श्रृंखलाओं का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। पुराने वाहनों के संबंध में चिंताओं पर, जिन्हें शुरू में केवल ई10–संगत के रूप में लेबल किया गया था। मंत्रालय ने कहा कि उच्च इथेनॉल मिश्रणों को शुरू करने से पहले ऑटोमोबाइल निर्माताओं से परामर्श किया गया था। उन्होंने इस बदलाव का समर्थन करना जारी रखा है। मंत्रालय ने कहा अगर ऑटोमोबाइल निर्माता नतीजों से पूरी तरह संतुष्ट नहीं होते, तो वे कभी भी उत्पाद का समर्थन नहीं करते और न ही वाहनों की वारंटी का सम्मान करते। आज लगभग हर निर्माता सभी वाहनों (पुराने या नए) की वारंटी का सम्मान कर रहा है। इसका कारण यही है कि वे परामर्श प्रक्रिया का हिस्सा थे। क्षेत्र के अनुभव का हवाला देते हुए, मंत्रालय ने कहा कि मारुति सुजुकी ने वित्त वर्ष 2025–26 के दौरान 2.84 करोड़ वाहनों की सर्विसिंग की, जिनमें 1.5 करोड़ पुराने, गैर–ई20 प्रमाणित वाहन शामिल थे, और जंग लगना, असामान्य घिसाव या पुर्जों की क्षति जैसी ई20 से संबंधित कोई समस्या नहीं पाई गई। मंत्रालय ने आगे कहा कि हीरो मोटोकॉर्प ने भी इसी तरह के अनुभव बताए हैं। मंत्रालय ने स्वीकार किया कि कुछ वाहनों की ईंधन दक्षता में म्20 के उपयोग से 3–5 प्रतिशत की कमी आ सकती है।

फीफा वर्ल्ड कप:विश्व कप फिक्स है के आरोपों पर क्या बोले स्कालोनी

न्यूयॉर्क,एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड से भिड़ने से पहले अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनल स्कालोनी ने टीम पर लग रहे शफिक्सिंगश और पक्षपात के आरोपों पर पहली बार खुलकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इन आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि आलोचनाएं उनकी टीम को और मजबूत बनने की प्रेरणा देती हैं। साथ ही उन्होंने कप्तान लियोनल मेसी की फिटनेस को लेकर उठ रही तमाम अटकलों को भी खारिज कर दिया और कहा कि वह पूरी तरह फिट हैं। राउंड ऑफ 16 में मिस्र के खिलाफ 0–2 से पिछड़ने के बाद 3–2 की रोमांचक जीत के बाद विरोधी टीम की ओर से वर्ल्ड कप को अर्जेंटीना के पक्ष में फिक्स बताया गया था। इसके अलावा रेफरिंग और ड्रॉ को लेकर भी सवाल उठे। इन आरोपों पर स्कालोनी ने कहा, हो सकता है कि बहुत से लोग नहीं चाहते कि हम लगातार दूसरा वर्ल्ड कप जीतें, क्योंकि हमने पिछला खिताब भी जीता था। यह बात खिलाड़ियों तक भी पहुंचती है। हम आलोचनाओं और टिप्पणियों का इस्तेमाल विद्रोह की तरह करते हैं, ताकि खिलाड़ी और बेहतर प्रदर्शन करें।

उन्होंने कहा, जैसा आपने कहा, 1986 के बाद से काफी समय बीत चुका है। उस समय भी लोग कहते थे कि हमें फायदा पहुंचाया जा रहा है। यह कोई नई बात नहीं है। जहां तक मुझे याद है, अर्जेंटीना हमेशा उन टीमों में रही है जो टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा चर्चा का विषय बनती हैं। हम खिलाड़ियों को यही बताते हैं कि कुछ लोग नहीं चाहते कि अर्जेंटीना जीते, लेकिन यह बिल्कुल सामान्य बात है। जैसे कुछ लोग किसी दूसरी टीम को जीतते नहीं देखना चाहते। वीएआर को लेकर उठे विवाद पर स्कालोनी ने साफ कहा कि अधिकारी सिर्फ टूर्नामेंट के तय नियमों का पालन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि वीएआर के रहते किसी टीम की मदद करना बहुत मुश्किल है, बहुत मुश्किल। वीएआर में दो तरह की व्याख्या की गुंजाइश नहीं होती। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले हमें इसके नियम विस्तार से समझाए गए थे और अब उन्हीं नियमों का पूरी तरह पालन किया जा रहा है। स्कालोनी ने कप्तान लियोनल मेसी की फिटनेस पर भी बड़ा अपडेट दिया। उन्होंने कहा कि 39 वर्षीय स्टार खिलाड़ी पूरी तरह फिट हैं और उनके वर्कलोड में कोई बदलाव नहीं आया है। उन्होंने कहा, श्वह पहले से ज्यादा या कम नहीं दौड़ रहे हैं। उनके आंकड़े नहीं बदले हैं। टीम उन्हें पूरा समर्थन देती है। उन्होंने अपने फिटनेस कोच के साथ अच्छी तैयारी की है और इसका फायदा उन्हें मिल रहा है। वह मैदान पर अपना सब कुछ दे रहे हैं। मेसी इस वर्ल्ड कप में अब तक आठ गोल कर चुके हैं और गोल्डन बूट की दौड़ में फ्रांस के कप्तान काइलियन एम्बाप्पे के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। स्कालोनी ने स्पष्ट किया कि दो पेनल्टी चूकने के बावजूद मेसी पर उनका भरोसा कायम है। उन्होंने कहा, श्मेरे दिमाग में कभी यह बात नहीं आई कि मैं उनसे पेनल्टी लेने की जिम्मेदारी बदलने के लिए कहूं। वह खुद तय करते हैं कि उन्हें क्या करना है। मैदान पर उनकी भूमिका को लेकर स्कालोनी ने कहा, अगर मेसी किसी जगह जाना चाहते हैं और टीम का कोई दूसरा खिलाड़ी उनकी जगह को कवर करता है, तो यह उनका फैसला होता है। टीम उनके खेल के हिसाब से खुद को ढाल लेती है। खिलाड़ी समझते हैं कि उन्हें कब बिल्डअप में शामिल होना है और कब किस जगह जाना है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि यह मेसी का आखिरी वर्ल्ड कप हो सकता है। स्कालोनी ने कहा, हम जानते हैं कि यह उनका आखिरी वर्ल्ड कप हो सकता है। इस वजह से हर मुकाबला और भी भावनात्मक हो जाता है।

कुछ रैलियां कभी खत्म नहीं होतीं, विंबलडन में मुलाकात के बाद सचिन का फेडरर के लिए खास मैसेज

लंदन,एजेंसी। भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने विंबलडन के दौरान टेनिस दिग्गज रोजर फेडरर से मुलाकात के बाद उनके लिए एक भावुक संदेश साझा किया। सचिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी और फेडरर की दोस्ती को खास बताते हुए लिखा कि कुछ रिश्ते कभी खत्म नहीं होते। सचिन ने लिखा, कुछ रैलियां कभी खत्म नहीं होतीं। हमारी दोस्ती उनमें से एक है। रोजर, आपके साथ समय बिताना हमेशा अच्छा लगता है। जब तक हम फिर से नहीं मिलते। विंबलडन में सचिन का यह दौरा काफी यादगार रहा। वह शुक्रवार को खेले गए पुरुष एकल सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान प्रतिष्ठित रॉयल बॉक्स में मौजूद खास मेहमानों में शामिल थे। इस दौरान उन्होंने कई दिग्गज खिलाड़ियों और खेल जगत की मशहूर हस्तियों के साथ मैच का आनंद लिया। रॉयल बॉक्स में भारत के वनडे कप्तान शुभमन गिल भी मौजूद रहे। गिल के लिए यह पहला मौका था जब उन्होंने विंबलडन का मुकाबला रॉयल बॉक्स से देखा। इंग्लैंड दौरे के बीच समय निकालकर वह इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट का हिस्सा बने। इसके अलावा फुटबॉल स्टार और लिवरपूल के कप्तान वर्जिल वैन डाइक तथा लीड्स यूनाइटेड के चेयरमैन पराग मराठे भी वहां मौजूद रहे।

सचिन की मुलाकात के दौरान पूर्व वेस्टइंडीज कप्तान ब्रायन लारा के साथ उनकी बातचीत ने भी क्रिकेट प्रशंसकों को पुराने दिनों की याद दिलाई। दोनों खिलाड़ी अपने दौर में मैदान पर बड़े प्रतिद्वंद्वी रहे, लेकिन क्रिकेट से संन्यास के बाद कई प्रदर्शनी और चौरिटी मैचों में एक साथ खेल चुके हैंय उनकी दोस्ती आज भी बरकरार है। मैच की बात करें, तो जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रिटेन के युवा खिलाड़ी आर्थर फेरी को सीधे सेटों में 7–6 (7–0), 6–2, 6–4 से हराकर पहली बार विंबलडन के फाइनल में जगह बनाई। दूसरी वरीयता प्राप्त ज्वेरेव ने शुरुआती सेट में कड़ी चुनौती का सामना किया, लेकिन टाईब्रेक जीतने के बाद उन्होंने मैच पर पूरी तरह से पकड़ बना ली। पिछले महीने फ्रेंच ओपन का खिताब जीतने वाले ज्वेरेव अब अपने करियर के पांचवें ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंच गए हैं। विंबलडन में यह उनका पहला खिताबी मुकाबला होगा। इस जीत

के साथ ज्वेरेव की ग्रैंड स्लैम मुकाबलों में लगातार जीत का सिलसिला 13 मैचों तक पहुंच गया है। अब उनकी नजर लगातार दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने पर होगी।

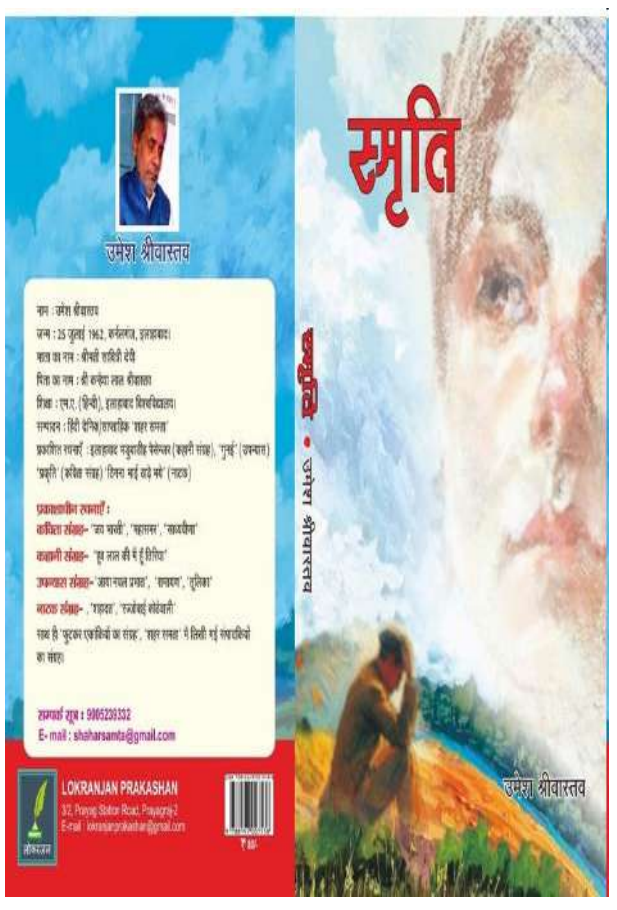

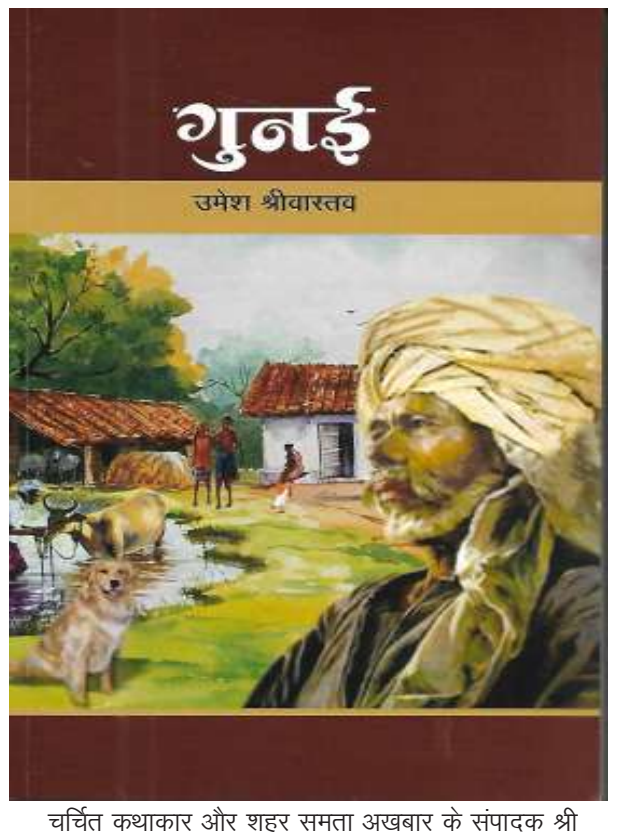

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

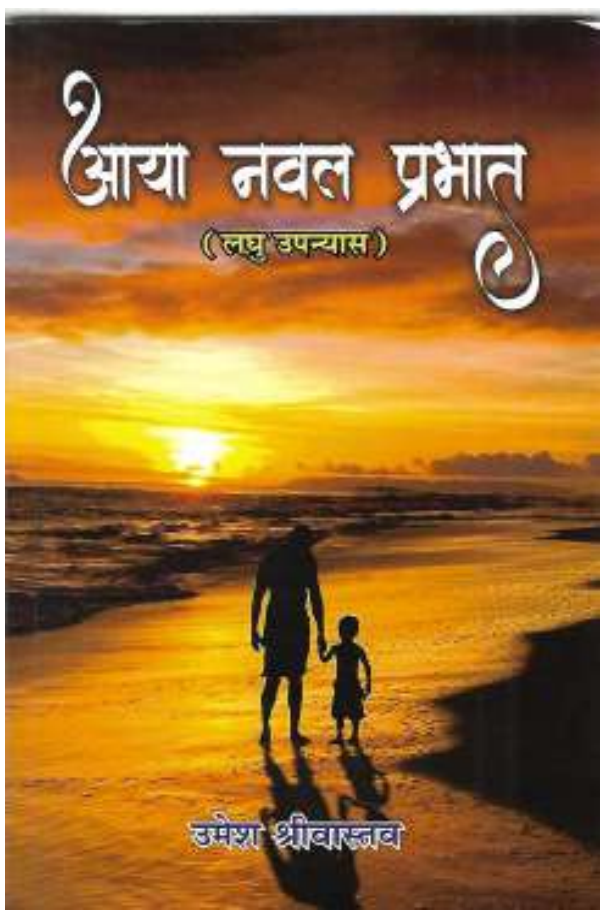

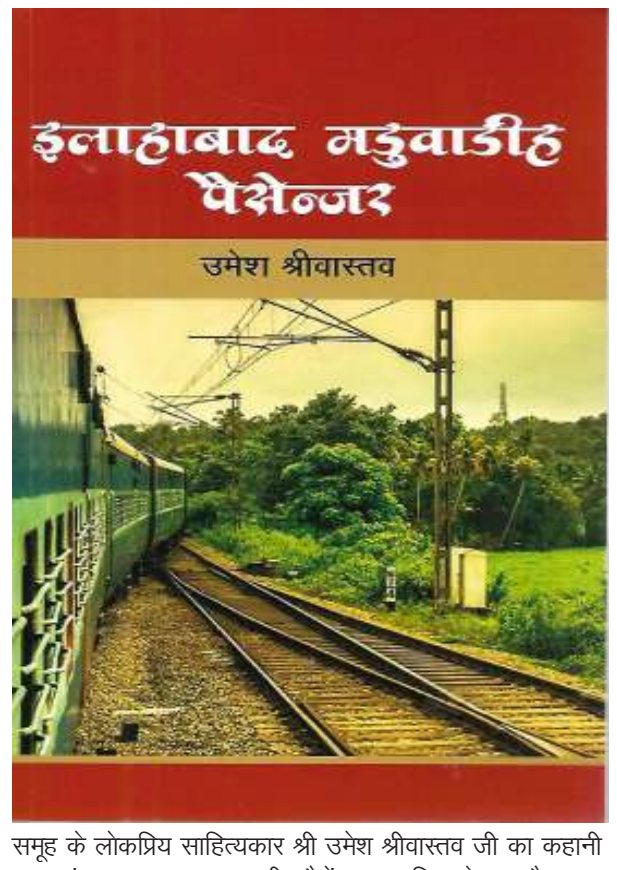

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

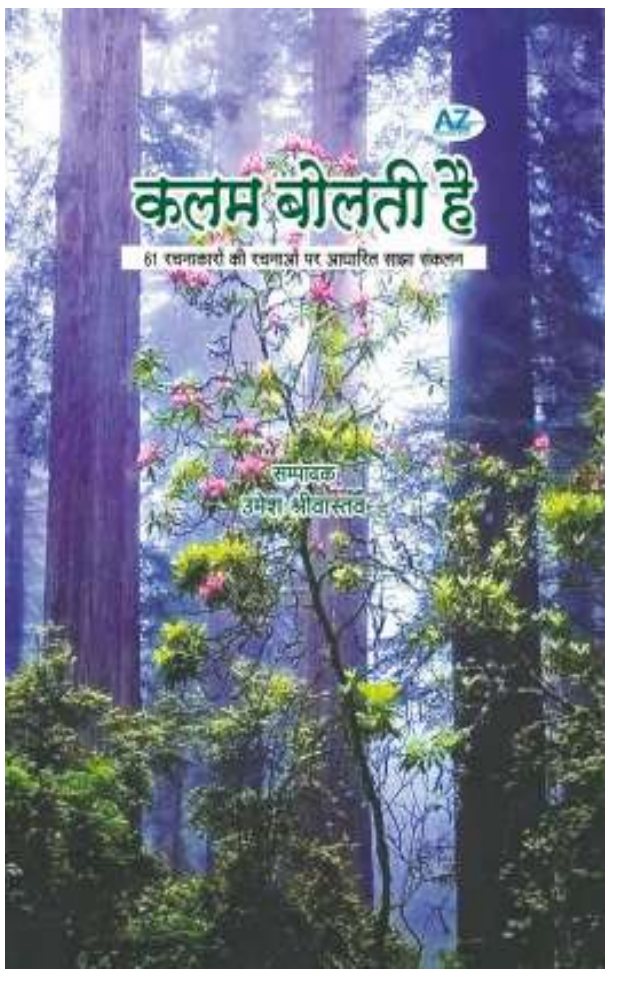

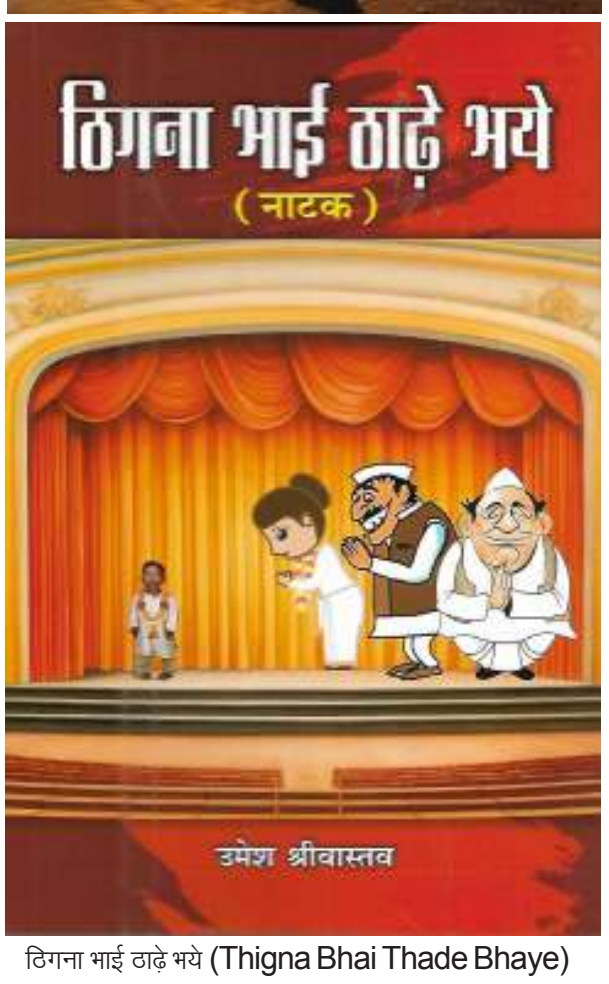

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

अमेरिका-ईरान एक दूसरे पर हमले रोकें, ईरान और कतर के सामने शहबाज शरीफ क्यों गिड़गिड़ाए?

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका और ईरान के एक दूसरे पर हवाई हमले करने के बाद से पश्चिम एशिया में तनाव फिर से बढ़ा हुआ है। ऐसे में पाकिस्तान ने अपनी मध्यस्थता में हुए

युद्धविराम को बचाने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अमेरिका और ईरान के बीच ठप पड़ी वार्ता को फिर से शुरू कराने के लिए ईरान और कतर के शीर्ष नेताओं से अलग–अलग बातचीत की। शुक्रवार रात हुई इन बातचीत का उद्देश्य हालिया तनाव और दोनों पक्षों के बीच हुए हमलों के बाद बिगड़े हालात को सामान्य बनाना तथा शांति प्रक्रिया को फिर से आगे बढ़ाना था। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से बातचीत के दौरान शहबाज शरीफ ने क्षेत्र में हालिया तनाव बढ़ने पर गहरी चिंता जताई और क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता की तत्काल बहाली की जरूरत पर जोर दिया। शरीफ ने इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन के तहत किए गए वादों का पालन करने की अपील की। शहबाज शरीफ ने कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी से भी बात की। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान ने 18 जून को पश्चिम एशिया में शांति बहाल करने के उद्देश्य से इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। इसके बाद 21 जून को स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक में तकनीकी स्तर की वार्ता हुई थी, जिसमें पाकिस्तान और कतर ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी। हालांकि अमेरिका और ईरान के बीच का युद्धविराम लंबे समय तक नहीं टिक सका और हाल ही में अमेरिका ने फिर से ईरान पर हवाई हमले किए। अमेरिका ने बताया कि ईरान ने समझौते का उल्लंघन किया और होर्मुज में व्यापारिक जहाजों पर हमले किए। हालांकि ईरान ने अमेरिका पर ही समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। इस बीच मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ईरान, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को मारने की साजिश रच रहा है। इसे लेकर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव और बढ़ गया है और अमेरिका ने ईरान को धमकी दे डाली है। हालांकि गनीमत है कि दोनों तरफ से हमले फिलहाल नहीं रहे हैं और होर्मुज पर भी गतिविधियां सामान्य हैं।

ट्रंप को मारने की ईरानी साजिश की दी थी जानकारी

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन हालिया रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि इस्राइल ने उनकी हत्या की ईरानी साजिश के बारे में जानकारी दी थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान उनकी हत्या की किसी साजिश में सफल होता है, तो उन्होंने पहले से ही जरूरी निर्देश दे दिए हैं। ट्रंप ने कहा, श्मैं लंबे समय से ईरान की हिट लिस्ट में नंबर–1 पर हूं और जिंदगी ऐसी ही होती है। मैंने साफ निर्देश दे रखे हैं कि अगर मेरे साथ कुछ भी होता है, तो ईरान पर ऐसा हमला किया जाए, जैसा उसने पहले कभी नहीं देखा होगा। इससे पहले शुक्रवार को ट्रंप ने कहा था कि ईरान को युद्धविराम खत्म होने की सूचना दिए जाने के बाद भी अमेरिका, तेहरान के साथ बातचीत जारी रखेगा। इस बीच, द वॉल स्ट्रीट जर्नल और सीएनएन की रिपोर्टों के अनुसार, इस्राइली खुफिया एजेंसियों ने हाल ही में अमेरिका को चेतावनी दी है कि ईरान ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की एक नई साजिश तैयार की है। इन रिपोर्टों के सामने आने के कुछ ही घंटों बाद ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से कहा कि वह तेहरान के नंबर–1 निशाने पर हैं और उन्होंने ईरान के खिलाफ अपनी सरकार की सैन्य कार्रवाई का बचाव किया। वहीं, सीएनएन ने भी ऐसा दावा किया और मामले से जुड़े दो सूत्रों के हवाले से बताया कि इस्राइल ने यह चेतावनी अमेरिकी अधिकारियों तक पहुंचाई थी। हालांकि इस्राइल की तरफ से जानकारी मिलने से पहले अमेरिका ने स्वतंत्र रूप से इस खुफिया सूचना की पुष्टि नहीं की थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भले ही इस्राइल के दावे को नकार रहे हैं, लेकिन वे ईरान को लगातार धमकी भी दे रहे हैं। ट्रंप ने ईरान को पूरी तरह से तबाह करने धमकी दी है। सोशल मीडिया पर लिखे एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा, श्अगर ईरान की सरकार ने अपनी उस धमकी पर अमल किया – जिसमें उसने अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति (यानी मुझ पर!) जानलेवा हमला करने या हत्या करने की बात कही है, तो ईरान पर 1000 मिसाइलें दागी जाने के लिए तैयार हैं। और इसके तुरंत बाद हजारों और मिसाइलें दागी जाएंगी। इसके लिए आदेश दिए जा चुके हैं और अमेरिकी सेना पूरी तरह तैयार और सक्षम है कि वह एक साल तक ईरान पर हमले जारी रखे और ईरान के हर इलाके को पूरी तरह तबाह और बर्बाद कर दे – अल्लाह आपका भला करें!

बाल सुरक्षा के दावों पर सवालः कई सेफ्टी फीचर जांच में फेल

बच्चों और किशोरों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर सोशल मीडिया कंपनियों के दावों पर नए स्वतंत्र अध्ययन ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। शोध में पाया गया है कि टिकटॉक, इंस्टाग्राम, स्नैपचौट और यूट्यूब पर उपलब्ध बच्चों की सुरक्षा से जुड़े आधे से अधिक फीचर या तो घोषित उद्देश्य के अनुरूप काम नहीं करते या फिर इतने जटिल हैं कि सामान्य उपयोगकर्ता उन्हें आसानी से खोज और इस्तेमाल नहीं कर पाते। शोधकर्ताओं का कहना है कि ऐसी स्थिति में बच्चों को ऑनलाइन खतरों से बचाने के कंपनियों के दावे कमजोर पड़ जाते हैं। न्यूयॉर्क और नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी की साझा पहल साइबरसेफ्टी रिसर्च सेंटर की इस रिपोर्ट में चारों प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध 86 युवा सुरक्षा फीचर का परीक्षण किया गया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

रीयूजेबल रॉकेट से रचा नया इतिहास, क्या एलन मस्क को मिलेगी टक्कर?

जापान की अंतरिक्ष एजेंसी जाक्सा ने शनिवार को अपने प्रयोगात्मक पुनः प्रयोज्य (रीयूजेबल) रॉकेट का पहला सफल परीक्षण उड़ान अभियान पूरा किया। यह उपलब्धि ऐसे समय में आई है, जब जापान अंतरिक्ष प्रक्षेपण की लागत कम करने और वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में स्पेसएक्स जैसी कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करने के लिए नई तकनीक विकसित करने में जुटा है। रॉकेट ने सफलतापूर्वक उड़ान भरी, हवा में नियंत्रित तरीके से मंडराया, क्षैतिज दिशा में आगे बढ़ा और फिर सुरक्षित तरीके से वापस जमीन पर उतर गया। आरवी–एक्स रॉकेट ने पूर्वोत्तर जापान स्थित जाक्सा के नोशिरो परीक्षण केंद्र से उड़ान भरी। करीब एक मिनट से भी कम समय तक चली इस परीक्षण उड़ान के दौरान रॉकेट ने पहले ऊंचाई हासिल की, फिर कुछ समय तक हवा में स्थिर रहा, उसके बाद क्षैतिज दिशा में आगे बढ़ा और अंत में सुरक्षित लैंडिंग की। इस पूरे परीक्षण का सीधा प्रसारण अंतरिक्ष प्रेमियों के समूह एनवीएस ने किया।

जाक्सा ने बताया कि वह शनिवार को ही ऑनलाइन ब्रीफिंग के दौरान इस परीक्षण के विस्तृत परिणाम साझा करेगा। इस परीक्षण को जापान के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। जापान लंबे समय से ऐसी तकनीक विकसित करने की कोशिश कर रहा है, जिससे रॉकेट को कई बार इस्तेमाल किया जा सके। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स पिछले कई वर्षों से इसी तकनीक का इस्तेमाल कर अंतरिक्ष मिशनों की लागत में भारी कमी ला चुकी है। अब जापान भी इसी दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है ताकि वह वैश्विक लॉन्च बाजार में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करा सके। शनिवार का यह परीक्षण जापान के लिए कम लागत वाले नए रॉकेट विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। भविष्य में यही तकनीक देश के मौजूदा एकबार इस्तेमाल होने वाले एच–3 रॉकेट का अधिक किफायती और आधुनिक विकल्प तैयार करने में मदद करेगी। इस परीक्षण से ठीक एक दिन पहले चीन के सरकारी मीडिया ने दावा किया था कि देश ने भी प्रक्षेपण के बाद पहली बार किसी रॉकेट के पहले चरण को सफलतापूर्वक वापस हासिल करने में सफलता पाई है। ऐसे में एशिया की दो बड़ी अंतरिक्ष शक्तियां अब पुनः प्रयोज्य रॉकेट तकनीक की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ती दिखाई दे रही हैं।

जापान का एच–3 रॉकेट अपने पुराने एच–2ए रॉकेट की तुलना में अधिक किफायती बनाया गया है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष बाजार में प्रभावी प्रतिस्पर्धा करने के लिए इसकी लॉन्च लागत को और कम करना अभी भी जरूरी माना जा रहा है। जापानी सरकार का मानना है कि अंतरिक्ष तक पहुंच की विश्वसनीय और व्यावसायिक रूप से प्रतिस्पर्धी क्षमता देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम के साथ–साथ राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए पुनरू प्रयोज्य रॉकेट तकनीक को भविष्य की रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है। जाक्सा और मित्सुबिशी हेवी इंडस्ट्रीज मिलकर आरवी–एक्स रॉकेट विकसित कर रहे हैं। इस रॉकेट का व्यास 1.8 मीटर और लंबाई 7.3 मीटर है। इसमें अधिक टिकाऊ इंजन लगाए गए हैं और सुरक्षित लैंडिंग के लिए चार झटके सोखने वाले लैंडिंग गियर भी लगाए गए हैं। जाक्सा फ्रांस और जर्मनी के साथ मिलकर भी पुनरू प्रयोज्य रॉकेट तकनीक पर काम कर रहा है। आने वाले परीक्षणों में आरवी–एक्स रॉकेट को लगभग 100 मीटर की ऊंचाई तक भेजने की योजना है, ताकि इसकी क्षमताओं का और बेहतर परीक्षण किया जा सके।

इतनी मिसाइलें मारेंगे कि पूरा ईरान तबाह कर देंगे–ट्रंप

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान उनकी हत्या करने में कामयाब होता है, तो अमेरिका बड़े पैमाने पर ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए उन्होंने पहले ही निर्देश दे दिए हैं। ट्रंप ने शुक्रवार को द न्यूयॉर्क पोस्ट से बातचीत में कहा, मैं काफी लंबे समय से उनकी सूची में हूं। हम इस स्थिति से निपट रहे हैं। ट्रंप ने ये भी कहा कि एक हजार मिसाइलें तैनात हैं और अगर उनकी हत्या हुई तो ये इन्हें दाग दिया जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को पूरी तरह से तबाह करने ध मकी दी है। सोशल मीडिया पर लिखे एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा, श्अगर ईरान की सरकार ने अपनी उस धमकी पर अमल किया – जिसमें उसने अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति (यानी मुझ पर!) जानलेवा हमला करने या हत्या करने की बात कही है, तो ईरान पर 1000 मिसाइलें दागी जाने के लिए तैयार हैं। और इसके तुरंत बाद हजारों और मिसाइलें दागी जाएंगी। इसके लिए आदेश दिए जा चुके हैं और अमेरिकी सेना पूरी तरह तैयार और सक्षम है कि वह एक साल तक ईरान पर हमले जारी रखे और ईरान के हर इलाके को पूरी तरह तबाह और बर्बाद कर दे–अल्लाह आपका भला करें! इससे पहले न्यूयॉर्क पोस्ट से बातचीत में भी ट्रंप ने ईरान को हमले की धमकी दी थी। उन्होंने कहा, बस एक बात है, मैंने निर्देश दे दिए हैं कि अगर मेरे साथ कुछ भी होता है, तो सचमुच उन पर ऐसे स्तर पर बमबारी की जाए, जैसा उन्होंने पहले कभी नहीं देखी होगी। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या इस्राइल ने उनके साथ यह खुफिया जानकारी साझा की है कि ईरान उनकी हत्या का प्लान बना रहा है, तो उन्होंने कहा, श्नहीं, नहीं। इस्राइल से ऐसी कोई जानकारी नहीं मिली है।

फरवरी 2025 में भी ट्रंप ने इसी तरह कहा था कि अगर ईरान उनकी हत्या करता है, तो उन्होंने जवाबी कार्रवाई के लिए निर्देश दिए हैं। उन्होंने इस्राइल के प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान कहा था, मैंने निर्देश दे दिए हैं कि अगर वे ऐसा करते हैं, तो उनका पूरी तरह विनाश कर दिया जाएगा, कुछ भी नहीं बचेगा। अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल ने शुक्रवार को अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया है कि इस्राइल की सरकार ने अमेरिका के साथ एक खुफिया सूचना साझा की है। इस सूचना के तहत ईरान, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मारने की साजिश रच रहा है। अगर इस्राइल की इस खुफिया सूचना की पुष्टि होती है तो यह जानकारी ऐसे समय सामने आई है, जब अमेरिका और ईरान के बीच पहले ही तनाव बढ़ा हुआ है और दोनों तरफ से एक दूसरे के ठिकानों पर हवाई हमले किए जा रहे हैं।

शाही परिवार में दरार पाटने की कोशिश, वर्षों बाद प्रिंस हैरी और मेगन से मिले किंग चार्ल्स

शाही परिवार में लंबे समय से मतभेद हैं। प्रिंस हैरी के अपने पिता और भाई प्रिंस विलियम के साथ संबंध खराब हैं। हालांकि अब ऐसा लग रहा है कि शाही परिवार इन मतभेदों को दूर करने की कोशिश कर रहा है। ब्रिटेन के शाही परिवार में आए मतभेदों को खत्म करने की कोशिश हो रही है। इसके तहत किंग चार्ल्स

तृतीय ने शुक्रवार को वर्षों बाद पहली बार अपने छोटे बेटे प्रिंस हैरी और उनके परिवार से मुलाकात की। खास बात ये रही कि इस मुलाकात में प्रिंस हैरी के साथ उनकी पत्नी मेगन भी थीं। हैरी और उनकी पत्नी मेगन ने छह साल पहले शाही जिम्मेदारियां छोड़कर अमेरिका में बसने का फैसला किया था। बकिंघम पैलेस ने पुष्टि की कि प्रिंस हैरी, उनकी पत्नी मेगन, बेटे प्रिंस आर्ची और बेटी प्रिंसेस लिलिबेट ने लंदन के पश्चिम में स्थित शाही कंट्री एस्टेट हाईग्रोव हाउस में किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला से मुलाकात की। ड्यूक ऑफ ससेक्स प्रिंस हैरी सोमवार को कई चौरिटी कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए ब्रिटेन पहुंचे थे। हालांकि, उनकी इस यात्रा के दौरान सबसे अधिक चर्चा इस बात को लेकर रही कि क्या उनकी अपने पिता से मुलाकात होगी। ब्रिटिश टैबलॉयड और समाचार चौनलों में इस बात को लेकर भी अटकलें लगाई जाती रहीं कि क्या डचेस ऑफ ससेक्स मेगन उनके साथ आएंगी और सबसे अहम, क्या वे अपने दोनों बच्चों को भी साथ लाएंगी ताकि वे अपने दादा किंग चार्ल्स के साथ समय बिता सकें। हालांकि, ब्रिटिश सम्राट का कार्यक्रम वर्षों पहले से तय होता है और अधिकांश आधिकारिक कार्यक्रम काफी पहले निर्धारित कर दिए जाते हैं। ऐसे में प्रिंस हैरी और किंग चार्ल्स की मुलाकात की कम ही उम्मीद थी। हालांकि आखिरकार पिता–पुत्र की मुलाकात हुई। ऐसा नहीं है कि सबकुछ ठीक रहा। प्रिंस हैरी और शाही अधिकारियों के बीच तनाव भी देखने को मिला। दरअसल पहले अधिकारियों ने हैरी को बकिंघम पैलेस में ठहरने का निमंत्रण दिया, लेकिन समय पर जवाब नहीं मिलने पर बाद में यह प्रस्ताव वापस ले लिया, जिससे असहज स्थिति पैदा हो गई। हैरी की ब्रिटेन यात्रा ऐसे समय भी हुई, जब ब्रिटिश टैबलॉयड मीडिया के खिलाफ उन्हें कानूनी लड़ाई में भी हार का सामना करना पड़ा। अदालत ने फैसला सुनाया कि प्रिंस हैरी डेली मेल के प्रकाशक के खिलाफ निजता के उल्लंघन के अपने आरोप साबित करने में विफल रहे। प्रिंस हैरी की कानूनी लड़ाइयां भी उनके परिवार के साथ तनाव का एक प्रमुख कारण रही हैं। हैरी पहले भी कह चुके हैं कि वह अपने 77 वर्षीय पिता से रिश्ते सुधारना चाहते हैं, जिनका कैंसर का इलाज चल रहा है। इससे पहले सितंबर में लंदन की एक छोटी यात्रा के दौरान भी हैरी और किंग चार्ल्स ने चाय पर मुलाकात की थी। अब शुक्रवार की यह मुलाकात शाही परिवार के रिश्तों में आई दरार को भरने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।

उड़ान के बीच खिड़की उखड़ने से हवा में खिंचा यात्री, फिर कैसे बची शख्स की जान?

माल्टा एयर की एक फ्लाइट में शुक्रवार को उस समय अफरा–तफरी मच गई, जब उड़ान के दौरान विमान की एक खिड़की अपनी जगह से उखड़ गई। इस हादसे में 61 वर्षीय एक यात्री का सिर, गर्दन और कंधे खिड़की से बाहर की ओर खिंच गए। विमान में मौजूद अन्य यात्रियों ने तुरंत उसे पकड़कर वापस अंदर खींच लिया, जिससे उसकी जान बच गई। यात्री को गर्दन और कंधे में चोटें आईं, साथ ही शरीर पर रगड़ लगने से जलन जैसी चोटें भी आईं। ग्रीस के एक अस्पताल के अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर यह जानकारी दी। यह घटना उत्तरी ग्रीस के शहर थेसालोनिकी से जर्मनी के म्यूनिख के पास स्थित मेम्मिंगेन जा रही सुबह की फ्लाइट में हुई। इस विमान का संचालन रायनएयर की सहयोगी एयरलाइन माल्टा एयर कर रही थी। रायनएयर ने अपने बयान में कहा कि उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद यात्री वाली एक खिड़की उड़ान के दौरान अपनी जगह से निकल गई, जिसके बाद विमान को वापस थेसालोनिकी लौटाना पड़ा। यात्रियों के मुताबिक, अचानक जोरदार धमाके जैसी आवाज सुनाई दी। इसके तुरंत बाद ऑक्सीजन मास्क नीचे आ गए और विमान तेजी से ऊंचाई कम करने लगा। इससे विमान में बैठे लोगों के बीच घबराहट फैल गई और कई यात्री चीखने लगे। थेसालोनिकी रेडियो से बातचीत में क्रिस्टिना नाम की एक महिला यात्री ने बताया कि हादसे के समय ज्यादातर लोग सो रहे थे। तभी जोरदार धमाका हुआ और सभी समझ गए कि विमान के केबिन का दबाव कम हो गया है। उस व्यक्ति का पूरा सिर, गर्दन और कंधे खिड़की से बाहर की तरफ खिंच गए थे। उसके पास बैठे यात्रियों ने तुरंत उसे पकड़कर अंदर खींच लिया। क्रिस्टिना ने आगे कहा कि आवाज बिल्कुल फटे हुए टायर जैसी थी, लेकिन उससे भी कहीं ज्यादा तेज। उसके बाद विमान तेजी से नीचे आने लगा। चारों तरफ चीख पुकार मच गई थी।

एयरलाइन के अनुसार, विमान सुरक्षित तरीके से थेसालोनिकी हवाई अड्डे पर उतार लिया गया। सभी यात्रियों को टर्मिनल पर वापस ले जाया गया। घायल यात्री को जमीन पर ही चिकित्सकीय सहायता दी गई। बाद में यात्रियों को जर्मनी भेजने के लिए दूसरा विमान उपलब्ध कराया गया। अमेरिका की राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) ने बताया कि उन्हें सूचना मिली है कि विमान को दाहिने इंजन में आई समस्या और केबिन के दबाव में कमी आने के कारण वापस लौटना पड़ा। एजेंसी ने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह जांच में सहयोग करेगी। इस हादसे की मुख्य जांच रिपब्लिक ऑफ नॉर्थ मैसेडोनिया की एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट एंड इंसिडेंट इन्वेस्टिगेशन कमेटी करेगी। यह विमान बोइंग 737–800 मॉडल का था, जिसमें अधिकतम 189 यात्री सफर कर सकते हैं।

व्हाइट हाउस की सूरत बदलने में जुटे ट्रंप, 150 साल पुराने खंभों की पेंट की परत हटाकर हो रही मरम्मत

वॉशिंगटन,एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में चल रहे बदलावों की श्रृंखला के तहत अब ऐतिहासिक नॉर्थ पोर्टिको के स्तंभों की मरम्मत का काम भी शुरू करा दिया है। करीब 150 वर्षों में चढ़ी पेंट की परत हटाकर पत्थरों की मरम्मत और संरक्षण का कार्य चल रहा है। ट्रंप ने कहा, व्हाइट हाउस की हर खामी उनकी नजर है, जबकि पिछली सरकारों ने इन पर ध्यान नहीं दिया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।